RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 हमने हमेशा एक-दूसरे का...

वर्ष : 27 अंक : 231 website:www.chetnamanch.com नोएडा, रविवार, 10 अगस्त, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

सीएम योगी ने जनता दर्शन में सुनी फरियाद

गंभीर बीमारियों के इलाज में भरपूर मदद करेगी सरकार : सीएम योगी

गोरखपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग करने पहुंचे लोगों को आश्वस्त किया कि वह बिना चिंता किए अच्छे से अच्छे अस्पताल में इलाज कराएं, सरकार उनकी भरपूर आर्थिक मदद करेगी। उपचार में जो भी धनराशि खर्च होगी, उसकी व्यवस्था सरकार करेगी।

सीएम योगी ने इसे लेकर अफसरों को निर्देशित भी किया कि किया कि जिन लोगों को उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से पूरा कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज सुबह उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों से एक-एक करके समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने होने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का समाधान कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण कराएं ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े।

हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

पारिवारिक मामलों के निस्तारण में दोनों पक्षों को एकसाथ बैठाकर संवाद करने को प्राथमिकता दी जाए। एक महिला की गुहार पर उन्होंने अफसरों को उक्त महिला को जमीन का पट्टा देने का निर्देश दिया।

जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कई लोग गंभीर बीमारियों में इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने सभी को भरोसा दिया कि उनकी सरकार किसी भी जरूरतमंद के इलाज में धन की कमी को बाधक नहीं बनने देगी। विवेकाधीन कोष से मदद की जाएगी।

यूपी विधानमंडल मानसून सत्र :
सीएम ने विधानभवन के प्रवेश द्वार के गुंबद का किया लोकार्पण

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र को लेकर राजधानी लखनऊ में आज सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। इसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। बैठक विधान भवन में बुलाई गई है। इस दौरान कई बिंदुओं पर चर्चा होनी है।

बताते चलें कि यूपी विधानमंडल का मानसून सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कार्यमंत्रणा समिति की बैठक बुलाई। वहीं दूसरी तरफ विधानसभा में एआई की भी पाठशाला लगेगी। इसमें विधायक अपने कामकाज में स्मार्टनेस लाने के लिए एआई का उपयोग सीखेंगे।

बैठक से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान भवन के प्रवेश द्वार के नवीनीकृत गुम्बद का लोकार्पण किया। साथ ही विधान भवन के नवीनीकृत सभा मंडप का भी लोकार्पण किया। इसके अलावा नवीनीकृत सभा कक्ष संख्या-15 का उद्घाटन किया।

तेजस्वी यादव ने डिप्टी सीएम पर लगाया बड़ा आरोप, विजय सिन्हा के भी दो EPIC नंबर

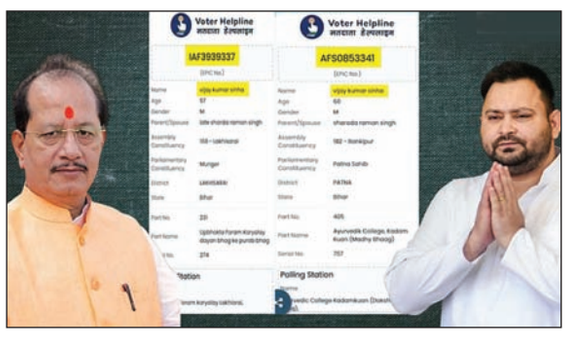

पटना (एजेंसी)। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा पर राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस पार्टी ने बड़ा आरोप लगा दिया है। राजद और कांग्रेस ने दावा किया है कि डिप्टी सीएम विजय सिन्हा के पास दो EPIC नंबर है। उन्होंने दो जगह से मतदाता पुनरीक्षण कार्य का फॉर्म भरा। तेजस्वी यादव ने इस मुद्दे पर रविवार सुबह प्रेस वार्ता की। उन्होंने सवाल पूछा कि किस कारण से डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने बांकीपुर और लखीसराय से एसआईआर फॉर्म भरा? उनका नए वोटर लिस्ट में दो जगह नाम कैसे आया? इतना ही नहीं दोनों वोटर लिस्ट में डिप्टी सीएम के उम्र भी अलग-अलग है। लखीसराय वाले वोटर लिस्ट में उनकी उम्र 57 साल है। बांकीपुर में उन्होंने 60 साल अपनी उम्र बताई है। एक EPIC कार्ड नंबर IAF 39393370 है, इसका सीरियल नंबर 274 है। वहीं दूसरा EPIC कार्ड नंबर AFS0853341 है और इसका सीरियल नंबर 767 है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को इसकी जांच करनी चाहिए और डिप्टी सीएम को इसका जवाब देना चाहिए। यह गंभीर मुद्दा है। तेजस्वी ने कहा कि अगर विजय सिन्हा गलत पाए गए तो वह फौरन इस्तीफा दें। अगर चुनाव आयोग गलत पाया गया तो मतदाता पुनरीक्षण की पूरी प्रक्रिया को ही रद्द कर देनी चाहिए।

तेजस्वी यादव ने कहा कि मतदाता सूची प्रारूप में दो अलग-अलग जगह पीएम नरेंद्र मोदी के दुलरुवा विजय सिन्हा का नाम आ गया है। क्या अब चुनाव आयोग दो EPIC नंबर पर इनसे जवाब मांगेगी? क्या पटना और लखीसराय जिला प्रशासन डिप्टी सीएम विजय सिन्हा से जवाब मांगेगी? क्या इन पर प्राथमिकी दर्ज होगी? जितनी जल्दी मेरे ऊपर आरोप लगाकर नोटिस भेजी गई? क्या उतनी जल्दी विजय सिन्हा पर कार्रवाई होगी? तेजस्वी ने कहा कि अब विजय सिन्हा को सामने आकर यह बताना चाहिए कि उनके हस्ताक्षर से कैसे दो विधानसभा में उनके नाम दर्ज हैं। क्या वह दो जगह वोट गिराना चाह रहे हैं? अगर नहीं दो वह बताएं कि चुनाव आयोग की यह प्रक्रिया ही फर्जी है। उनके पास बीएलओ गए ही नहीं। बिना उनके हस्ताक्षर से ही दो अलग-अलग विधानसभा में उनके नाम दर्ज कर लिए गए है?

उन्होंने कहा कि एसआईआर बहुत बड़ा फर्जीवाड़ा है। हमलोगों ने कई बार यह बात कही। सुप्रीम कोर्ट में भी यह मामला है। अब इससे बड़ा सबूत क्या होगा कि बिहार के डिप्टी सीएम विजय सिन्हा का दो विधानसभा क्षेत्र के वोटर लिस्ट में नाम है। उनके नाम दो EPIC नंबर दर्ज है। तेजस्वी ने कहा कि चुनाव आयोग मतदाता सूची प्रारूप की फाइल ही बदल दी है। पूरा फॉर्मेट ही बदल दी है यह फाइल काफी हैवी हो गई है। पहले मतदाता सेवा पोर्टल से टैक्स्ट बेस्ट पीडीएफ डाउनलोड होता था। अब इमेज बेस्ड पीडीएफ डाउनलोड हो रहा है। इस नए फाइल कुछ भी सर्च करना काफी मुश्किल है। इतना ही नहीं जो फाइल डाउनलोड हो रही है? उनकी साइज बड़ी हो गई है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव आयोग का कहना है कि किसी भी राजनीतिक दल ने दावा-आपत्ति नहीं की है। लेकिन, मैं यह कह रहा हूं कि हमारे दावे और आपत्तियों को दिखाए ही नहीं जा रही है। तेजस्वी यादव ने आरोप लगा रहे हैं कि सम्राट चौधरी ने उम्र घोटाला किया था।

कल सुबह तक नोएडा के हर घर में पहुंचेगा गंगाजल

नोएडा (चेतना मंच)। पिछले कुछ दिनों से पानी की किल्लत से परेशान नोएडा वासियों के लिए राहत की खबर है। कल सुबह तक नोएडा के सभी घरों में गंगाजल पहुंचना शुरू हो जाएगा।

नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आज मुरादनगर से गाजियाबाद स्थित गंगाजल परिशोधन प्लांट में गंगाजल पहुंच चुका है। गंगाजल का परिशोधन करने में 6 से 10 घंटे लगते हैं, इसलिए पूरी उम्मीद है कि कल सुबह तक नोएडा के हर घर में गंगाजल की आपूर्ति शुरू हो जाएगी।

बता दें कि पिछले कुछ दिनों से गंगाजल की आपूर्ति न होने से नोएडा में पानी की किल्लत मची हुई थी। इसका प्रमुख कारण था कि मुरादनगर स्थित गंग नहर में सिल्ट जमा होने से गंगाजल की आपूर्ति रोक दी गई थी, जिसके कारण नोएडा में गंगाजल न मिलने से जल आपूर्ति की काफी समस्या पैदा हो गई थी। आलम यह था कि कल रक्षाबंधन के त्योहार पर भी गंगाजल की आपूर्ति न होने से चारों ओर त्राहि-त्राहि मची हुई थी। हालांकि इस दौरान नोएडा प्राधिकरण ने कई स्थानों पर पानी के टैंकर भी भेजे, लेकिन मांग के अनुरूप टैंकर उपलब्ध कराने में असमर्थ रहा।

शाम को नोएडा प्राधिकरण ने डीप बोरिंग के जरिए जल आपूर्ति की, लेकिन पानी गंदा तथा काफी मटमैला था। अब मुरादनगर से गंगाजल की आपूर्ति प्रताप विहार प्लांट में किए जाने के बाद कल तक सभी घरों में गंगाजल की आपूर्ति सुचारू रूप से शुरू हो जाएगी।

100 करोड़ के जुर्माने से बचने को सुप्रीम कोर्ट पहुंची नोएडा अथॉरिटी

यमुना में डाला जा रहा सीवरों का गंदा पानी

नोएडा। यमुना नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन सभी कदम नाकाम साबित हो रहे हैं। पिछले दिनों कोंडली ड्रेन यमुना को प्रदूषित करने में अपनी अहम भूमिका अदा कर रहा है। एनजीटी ने नोएडा प्राधिकरण पर 100 करोड़ का जुर्माना लगाया था। इस पर प्राधिकरण ने सुप्रीम कोर्ट में जवाब दाखिल किया है। इस मामले में 13 अगस्त को कोर्ट फैसला दे सकता है। जुर्माने की प्रक्रिया पर्यावरणविद् अभिष्ट कुसुम गुप्ता की याचिका पर लगाया गया था। दावा किया था कि प्राधिकरण सीवरों का गंदा पानी कोंडली ड्रेन के जरिये यमुना में डाला जा रहा है। दिल्ली से नोएडा तक आने वाले नाले की फाई तक नहीं की गई है।

एनजीटी के आदेश के खिलाफ नोएडा प्राधिकरण ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। इसमें प्राधिकरण ने दावा किया है कि शहर में 8 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट एसटीपी कार्यरत हैं, जिनकी कुल क्षमता प्रतिदिन 411 मिलियन लीटर डेली (एमएलडी) है। इसके अलावा 180 एमएलडी क्षमता के दो नए एसटीपी भी बनाए जा रहे हैं।

नोएडा प्राधिकरण ने ये भी कहा है कि 120 एमएलडी ट्रीटेड सीवेज पानी को नोएडा के अलग-अलग सेक्टरों में ग्रीन एरिया में सिंचाई के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। साथ ही कई कदम उठाने की बात भी प्राधिकरण ने अपनी याचिका में कही है।

वहीं, सेक्टर-62 में खोडा-मकनपुर के पास 16 हजार वर्ग मीटर जमीन चिह्नित की गई है, जहां नया एसटीपी बनाया जाएगा। अनुमान है कि यहां से 100 एमएलडी सीवेज का निस्तारण किया जाएगा। साथ ही प्राधिकरण ने सोसायटी में एसटीपी कार्यरत न होने की बात भी स्वीकार करते हुए। सोसायटी पर जुर्माने लगाने की बात कही है।

नोएडा पुलिस की गोपनीयता भंग करने के मामले में एक्शन

हेड कॉन्स्टेबल और चैनल का एचआर हेड गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-63 थाना पुलिस ने गोपनीयता भंग करने के आरोप में मुख्य आरक्षी और मीडिया चैनल के एचआर हेड को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच ने दोनों को सेक्टर-63 से पकड़ा है। आरोपित मुख्य आरक्षी अलीगढ़ के खैर थाने में तैनात था। वहीं, प्रबंधन ने एचआर हेड का नाम सामने आने पर उसे चैनल से हटा दिया है। पुलिस ने दोनों को पूछताछ के बाद अग्रिम कार्रवाई के लिए भेज दिया।

ग्रेटर नोएडा का ललित पंडित सेक्टर-63 स्थित एक चैनल का एचआर हेड था। इसने पद पर रहते हुए पुलिस विभाग के सीसीटीएनएस का लॉगिन पासवर्ड प्राप्त कर लिया था, जिसके इस्तेमाल से वह पुलिस के रोजाना होने वाले पर काम को पता कर लेता था। पुलिस को इसकी भनक लगी तो तुरंत जांच तेज कर दी गई।

पुलिस का कहना है कि आरोपित ललित सीसीटीएनएस का अलग-अलग तरीके से दुरुपयोग कर रहा था। इसके खिलाफ साक्ष्य एकत्रित कर टीम ने उसे सेक्टर-63 से हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने आरोपों की पुष्टि कर दी। जांच में पता चला कि उसने लॉगिन पासवर्ड ग्रेटर नोएडा स्थित कासना थाने में तैनात रहे मुख्य आरक्षी बागपत निवासी प्रशांत सोलंकी से लिया था।

पुलिस ने मुख्य आरक्षी का पता किया तो वह अलीगढ़ के खैर थाने में तैनात पाया गया। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। 2014 बैच का प्रशांत सोलंकी गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट के दादरी, रबूपुरा, बीटा टू व कासना में तैनात रह चुका है। जांच के दौरान पुलिस टीम को प्रशांत व ललित के बीच पैसों के लेनदेन के भी साक्ष्य मिले हैं।

मोबाइल टावर से आर.आर.यू. चोरी करने वाले गैंग से मुठभेड़, दो बदमाश घायल, छह गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 पुलिस और मोबाइल टावर से आर.आर.यू. चोरी करने वाले कार सवार बदमाशों के बीच बख्तावरपुर अंडरपास के सामने चेकिंग के दौरान रविवार को मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाकर कुल छह बदमाशों को दबोच लिया।

घायल बदमाशों की पहचान गाजियाबाद निवासी आबिद और हापुड़ निवासी फारूख के रूप में हुई है। इनके साथियों फैजान, आयान, मुमताज, इस्तखार, मोहम्मद मोईन और मोहम्मद कैफ को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, यह गिरोह नोएडा-एनसीआर में मोबाइल टावरों से ऋक चोरी करता था।

पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, कारतूस, दो कार, चार ऋक, दो टावर के केबल बंडल और चोरी के उपकरण कटर, आरी आदि बरामद किए। पूछताछ में बदमाशों ने स्वीकार किया कि एक ऋक सेक्टर-100 स्थित सेंचुरी अपार्टमेंट के पास बने टॉवर से और बाकी तीन दिल्ली, गुरुग्राम और गाजियाबाद से चोरी किए थे। अतिरिक्त डीसीपी के अनुसार, बदमाशों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है।

बेचारी नर्सें फंस गईं

नशे में दफ्तर की दीवारें, नाचती कुर्सियां और ढहते नजारे। ऊना अस्पताल में इलाज की दरगाह तो नहीं मिली, मयखाना जरूर मिल गया। आश्चर्य यह कि दो नर्सों ने कथित तौर पर घूंट इतने चढ़ा लिए कि दफ्तर को नशा हो गया। मामला अपने तौर पर किसी मरीज की सिसकियों के भीतर छुपा लिया होता, अगर सोशल मीडिया को जुकाम न होता। यहां न तो औरत के जाम से शिकायत और न किसी कर्मचारी के मनोरंजन में खलल डालने की मंशा, मगर नशा जब ड्यूटी पर चढ़ जाए, तो सरकारी कार्यसंस्कृति का होगा क्या। यहां नशे की व्याख्या में अभी शराब पर ही गौर हो रहा है, लेकिन अगर यहां भी नर्सों की सफेद वर्दी पर सफेद चिट्टा सवार है, तो इसे कौन खोज पाएगा। यहां नशे की एक समस्या है, तो कर्त्तव्यनिष्ठा और अनुशासन की हालत खराब है। आखिर हमारे सरकारी संस्थान कर क्या रहे हैं। फाइलों के रहस्य गुमनाम प्रक्रिया के विचित्र से चेहरे। हर दफ्तर में मुजरिम तो जनता है। सरकारी नौकरी को अधिकार मानने वाले यह भी नहीं सोचते कि प्रदेश का आधे से ज्यादा बजट तो उन्हीं की खिदमत में कुर्बान है। ये दो नर्सें अगर अपने दायित्व को किसी प्राइवेट अस्पताल की नर्सों से बांट लेतीं, तो मालूम होता कि कार्य पद्धति और पगार का हिसाब क्या होता। बेचारी नर्सें फंस गईं, वरना दफ्तरों से मयखानों की खबरें तो आती हैं, लेकिन होता कुछ नहीं। खौफ यह है कि अगर अस्पताल के इलाज में नशा गलती से सिरिंज पर चढ़ जाए, तो मरीज का क्या होगा। जाहिर है प्रदेश का दफ्तरी माहौल निरंकुश है। यहां कौन जवाबदेह किसकी जवाबदेही। दफ्तरों में प्रबंधन की दरकार है। ऊना या कोई अन्य अस्पताल हो, उसके प्रबंधन के लिए डाक्टर नहीं, मैनेजर चाहिए। हैल्थ मैनेजमेंट एक अलग विधा है और इसे एक कैडर के रूप में स्थापित किया जाता है। कहने को हिमाचल के हर विभाग का विस्तार छोर तक पहुंच गया है, लेकिन न इमारतों की देखभाल और न ही कर्मचारियों की पड़ताल। हैरानी होती है कि हिमाचल में सरकारी इमारतों के दरवाजे ऊंचे होते जा रहे हैं, लेकिन किसी अधिकारी को यह फुर्सत नहीं कि इन्हें साफ-सुथरा और भीतर कार्यसंस्कृति को पवित्र बना के रखा जाए। राजधानी शिमला से अगर कार्यसंस्कृति की पड़ताल हो, तो कितने ही अनावश्यक पद निकल आएंगे और कितने ही कर्मचारी-अधिकारी बाहर हो जाएंगे। आश्चर्य यह कि निगरानी होती नहीं और न ही कड़े फैसलों में सियासी सहमति होती है। ड्यूटी और दायित्व में फर्क है। पेशे और पेशेवर में फर्क है। अभी हाल ही में एचआरटीसी ने दो दर्जन वोल्वो बसें रूटों पर उतार दीं, लेकिन संदर्भ वही पुराने यानी निजी वोल्वो में यात्री और सरकारी में रुतबा बैठा नजर आता है। निजी अस्पताल में मरीजों का विश्वास, सरकारी में मरीज मजबूरी बना नजर आता है। सरकार स्कूल में ट्रांसफर ऑर्डर, प्राइवेट में बच्चों का भविष्य नजर आता है। ऊना अस्पताल की नशेड़ी नर्सों ने सरकारी व्यवस्था से ही तीखे सवाल पूछे हैं। अपने नियुक्ति पत्र-सिफारिशी ट्रांसफर से सवाल पूछे हैं। मसला यह नहीं कि इस प्रकरण को भाजपा भुनाए या कांग्रेस बचाय, बल्कि यह भी है कि राजनीति को सिर्फ कहना या विरोध में कहना आता है। मसला यह भी नहीं कि ऊना के सरकारी अस्पताल में कितनी मशीनें-कितने बिस्तर सजा दिए, बल्कि यह है कि सरकारी मशीनरी में सेवाभाव कहां है। क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ने कभी किसी मरीज से यह पूछा कि उसे सरकारी अस्पताल में क्या अच्छा लगा। क्या किसी कर्मठ नर्स या डाक्टर को यह पहचान दी कि उसकी कार्यदक्षता पर फख्र कितना है। नशेड़ी नर्सें एक छोटी सी कहानी हो सकती हैं, लेकिन जो कर्मचारी-अधिकारी बेहतर ढंग से काम करना चाहते हैं, क्या उन्हें पुरस्कृत किया जाता है। क्या हर नियुक्ति, हर पदोन्नति और हर ट्रांसफर ईमानदार है। कल ऊना का यह मामला भी दफन हो जाएगा, लेकिन अस्पतालों की बेहतरी के लिए क्या कोई सबक मिलेगा।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि जो सुख के पुंज, मोह से परे तथा ज्ञान, वाणी और इन्द्रियों से अतीत हैं, वे भगवान दशरथ-कौसल्या के अत्यन्त प्रेम के वश होकर पवित्र बाललीला करते हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

एहि बिधि राम जगत पितु माता। कोसलपुर बासिन्ह सुखदाता॥
जिन्ह रघुनाथ चरन रति मानी। तिन्ह की यह गति प्रगट भवानी॥

इस प्रकार (सम्पूर्ण) जगत के माता-पिता श्री रामजी अवधपुर के निवासियों को सुख देते हैं, जिन्होंने श्री रामचन्द्रजी के चरणों में प्रीति जोड़ी है, हे भवानी! उनकी यह प्रत्यक्ष गति है (कि भगवान उनके प्रेमवश बाललीला करके उन्हें आनंद दे रहे हैं)॥

रघुपति बिमुख जतन कर कोरी। कवन सकइ भव बंधन छोरी॥
जीव चराचर बस कै राखे। सो माया प्रभु सों भय भाखे॥

श्री रघुनाथजी से विमुख रहकर मनुष्य चाहे करोड़ों उपाय करे, परन्तु उसका संसार बंधन कौन छुड़ा सकता है। जिसने सब चराचर जीवों को अपने वश में कर रखा है, वह माया भी प्रभु से भय खाती है॥

भृकुटि बिलास नचावइ ताही। अस प्रभु छाड़ि भजिअ कहु काही॥
मन क्रम बचन छाडिचतुराई। भजत कृपा करिहहिं रघुराई॥

भगवान उस माया को भौंह के इशारे पर नचाते हैं। ऐसे प्रभु को छोड़कर कहो, (और) किसका भजन किया जाए। मन, वचन और कर्म से चतुराई छोड़कर भजते ही श्री रघुनाथजी कृपा करेंगे॥

(क्रमशः...)

भारत पर ट्रंप का टैरिफ वार- भारत का झुकने से इंकार विश्व के दिग्गज देश भारतीय समर्थन को तैयार

वैश्विक स्तरपर पिछले कुछ दिनों से अमेरिका के राष्ट्रपति पूरी दुनियाँ में अपने टैरिफ की हुंकार भर रहे हैं, जिसको वह एक दबाव के अस्त्र के रूप में उपयोग कर,सभी देशों से अपने ढंग से अपनी शर्तों पर समझौता करवा कर उन्हें टैरिफ में छूट दे रहे हैं। जबकि जिस देश में अमेरिका का काम अड़ा हुआ है या कुछ जरूरी आपूर्ति के रूप में प्राप्त हो रहाहै तो उसे वह छोड़ रहे हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र ऐसा मानता हूं किअनेक देश उनके टैरिफ दबाव के कारण समझौते पर राजी हो गए हैं, परंतु भारत रूस से रक्षा उपकरण खरीदने तथा पशुपालन डेयरी फार्म, किसान व मछली उद्यम क्षेत्र सहित कुछ मुद्दों पर मुक्त व्यापार समझौता नहीं करने पर अड़ा हुआ है,जिसके कारण बात बहुत भयंकर हद तक बिगड़ गई है। दो दिन पूर्व 50 पेर्सेंट टैरिफ की घोषणा के बाद, अब 8 जुलाई 2025 को ट्रंप ने भारत के साथ ट्रेड पर कोई मीटिंग या बातचीत नहीं करने की घोषणा की है,यानें अब अमेरिका से आने वाला अधिकारियों का डेलिगेशन नहीं आएगा तथा अब भारत अमेरिका के साथ दो-दो हाथ करने को तैयार बैठा है, जिसपर ट्रंप सहित पूरा विश्व हैरान है कि, भारत ने इतने प्रभावशाली देश को तगड़ा जवाब कैसे दे दिया, भारत के पीछे उसके साथ कौन आकर खड़ा हो गया है? इत्यादि अनेक सवाल उठ गए हैं। बता दें 8 अगस्त 2025 को ही भारतीय पीएम ने रूस के राष्ट्रपति के साथ टेलीफोन पर वार्ता की, व रूसी राष्ट्रपति की शीघ्र ही भारत आने की संभावना है, तथा चीन ब्राजील इजरायल ईरान से भी भारत का समर्थन करने के इंडिकेशन प्राप्त हो रहे हैं। संभावना है कि भारतीय पीएम 31 अगस्त से 1 सितंबर 2025 शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में भाग लेने व चीन रूस ब्राजील इत्यादि देशों से नतीजात्मक वार्ता जरूर होगी व रूस चीन भारत का ट्रायंगल बन सकता है, जो अमेरिका के लिए मुसीबतों का द्वार खोल सकता है, तो फिर निश्चित रूप से नोबेल शांति पुरस्कार पाने की चाहत को झटका लग सकता है। उधर पाक जनरल का अमेरिका के निरंतरण पर कुछ हफ्तों में दूसरी बार दौरा कर रहे हैं।इस बीच ट्रंप ने और अधिक टैरिफ बढ़ाने और अनेक पाबंदियां लगाने का इशारा दे दिया है। बता दे उन्हें संसद से 500 पेर्सेंट तक टेरिफ लगाए जाने वाला बिल पास होने की संभावना है।चूँकि भारत पर ट्रंप का टैरिफ वार,भारत का झुकाने से इनकार, विश्व के दिग्गज देश भारतीय समर्थन को तैयार? इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, ट्रंप के टैरिफ पीड़ित देशों का समूह अगर एकजुट हुए तो ट्रंप की मुश्किलें बहुत अधिक बढ़ेगी?

साथियों बात अगर हम टैरिफ मुद्दे पर भारत अमेरिका की तेजी से बढ़ती तकरार की करें तो, एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत से आयातित सामान पर टैक्स 25 से बढ़ाकर 50 फीसदी कर

दिया है तो वहीं भारत ने ट्रंप के इस फैसले को पूरी तरह अनुचचित ,अन्यायपूर्ण और असंगत करार दिया, वहीं भारत के पीएम ने भी बिना नाम लिये अमेरिका को कड़ा संदेश दिया है।भारत के खिलाफ ट्रम्प के टैरीफ वार ने देश के 146 करोड़ लोगों को एकजुट कर दिया है। भारत ने अमेरिका को एक दोस्त मानते हुए बराबरी के रिश्ते को मजबूत करने की कोशिश की। लेकिन ट्रम्प भारत से व्यक्तिगत और व्यापारिक फायदे उठाना चाहते थे। आज हमारे देश में करीब 70 करोड़ लोग कृषि पर निर्भर है,करीब 3 करोड़ लोग मछलीपालन से जुड़े हुए है, जबकि 8 करोड़ परिवार ऐसे है जिनके पास गाय-भैंस है।आज इन सभी लोगों के हितों को बचाने केलिए पीएम लड़ रहे हैं।

साथियों बात अगर हम टैरिफ मुद्दे पर अमेरिका से बढ़ते तकरार, बिगड़ते रिश्तों से भारत को विश्व के अनेक दिग्गज नेताओं का साथ होने की करें तो, टैरिफ वॉर पर अब चीन रूस ब्राजील इजरायल ईरान भारत के पक्ष में बात कर रहा है। भारत में चीन के राजदूत ने एक सोशल मीडिया पोस्ट शेयर करते लिखा है - गिव द बुली एन इंच, द्धद्व विल टेक ए माइल, इसका सीधा मतलब- ये है कि अगर किसी धमकी देने वाले को आप ज़रा सी छूट देते हैं तो वो उसका पूरा फायदा उठाकर आपसे और ज्यादा हथियाने की कोशिश करेगा। इसे संयुक्त राष्ट्र के घोषणापत्र का उल्लंघन बताया है।

साथियों बात अगर हम भारत अमेरिका के बीच बढ़ते तकरार को पांच मुद्दों में समझने की करें तो (1) ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि भारत के साथ व्यापार घाटा और अमेरिकी वस्तुओं की बाज़ार पहुंच पर बाधाओं के कारण उन्हें भारत पर ज्यादा टैरिफ लगाना पड़ा है (2) पाकिस्तान के खिलाफ संघर्ष विराम का दावा नहीं मानना- ट्रंप लगातार यह दावा कर रहे हैं कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रुकवाया,वह ये दावा कम से कम 25 बार तो कर ही चुके हैं लेकिन भारत इन दावों को बार-बार खारिज करता रहा है।(3)ब्रिक्स को लेकर भी हैं खफा- ब्रिक्स लेकर भी भारत को निशाना बना रहे हैं क्योंकि ब्रिक्स देशों की नीतियां अमेरिकी डॉलर की वैश्विक स्थिति को चुनौती देती हैं। ब्रिक्स समूह (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका और हाल में जुड़े कुछ अन्य देश) वैश्विक जीडीपी का 40 प्रतिशत तक योगदान करता है. इन देशों का आपसी व्यापार बढ़ना. डॉलर की जगह अन्य करेंसी विकल्पों की चर्चा ट्रंप को असहज कर रही है,(4) यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद भारत ने रूसी तेल का आयात काफी बढ़ाया है. अब भारत अपनी कुल जरूरतों का करीब 36-40 प्रतिशत तेल रूस से आयात करता है. इससे भारत को रियायती दरों पर तेल मिलता है. महंगाई नियंत्रित रहती है, लेकिन पश्चिमी देशों खासकर अमेरिका में इसकी आलोचना हुई,ट्रंप का मानना है कि भारत रूस से भारी मात्रा में तेल खरीदकर 'रूसी वॉर मशीन' को मदद कर रहा है, जिससे यूक्रेन में भयंकर युद्ध चला आ रहा है।

साथियों बात अगर हम भारतीय पीएम के व्यक्तिगत नुकसान को भी सहन करने के बयान का विश्लेषण करें तो,उन्होंनेअमेरिका के टैरिफ के मुद्दे पर कहा है कि व्यक्तिगत रूप से मुझे कोई कीमत चुकानी पड़ेगी तो मैं तैयार हूं-तो यह एक राजनीतिक और कूटनीतिक बयान है, जिसमें 'व्यक्तिगत कीमत' का मतलब सीधे पैसे से नहीं, बल्कि राजनीतिक,कूटनीतिक,और छवि संबंधी नुकसान से होता है। उनके लिए ऐसी संभावित व्यक्तिगत कीमतें इस प्रकार हो सकती हैं-(अ) राजनीतिकप्रतिष्ठा पर असर (1)घरेलू राजनीति में आलोचना कि अमेरिका से टकराव के कारण व्यापार, निवेश या तकनीकी सहयोग में कमी आई। (2)विपक्ष का यह आरोप कि प्रधानमंत्री की नीतियों से देश की अर्थव्यवस्था या कूटनीतिक रिश्ते बिगड़े। (3) अंतरराष्ट्रीय मंचों पर 'कठोर' या 'जिद्दी' छवि बनने से लचीले नेता की छवि कमजोर होना।(ब) कूटनीतिक पूंजी की हानि:(1) अमेरिका जैसे रणनीतिक साझेदार के साथ व्यक्तिगत संबंधों में ठंडापन आना। (2) अन्य पश्चिमी देशों में भारत के लिए लॉबिंग क्षमताघटना,क्योंकि अक्सर नेता-से-नेता भरोसा महत्वपूर्ण होता है।(3) अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं में समर्थन कम मिलना (जैसे जलवायु परिवर्तन, यूएनएससी स्थायी सदस्यता आदि)(स)आर्थिक विकास एजेंडे पर दबाव (1)यदि अमेरिकी टैरिफ के कारण भारत के निर्यात पर नकारात्मक असर पड़ा, तो विकास, रोजगार और विदेशी निवेश के लक्ष्यों पर चोट लगना-इसका राजनीतिक दोष सीधे प्रधानमंत्री पर आना।(2) वैश्विक कंपनियों का निवेश निर्णय टलना या शिफ्ट होना, जिससे 'मेक इन इंडिया' जैसी योजनाओं की गति प्रभावित होना। (?) व्यक्तिगत छवि का अंतरराष्ट्रीय मीडिया में गिरना- (1) विदेशी मीडिया में 'अमेरिका से रिश्ते खराब करने वाले नेता' के रूप में चित्रण।(2)निवेशकों और वैश्विक राजनैतिक विश्लेषकों के बीच विश्वास में कमी (3) 'वैश्विक डीलमेकर' की ब्रांडिंग पर असर। (5)जी-20 और वैश्विक नेतृत्व भूमिकाओं पर असर : -(1)भविष्य में बड़े मंचों पर भारत की मेजबानी या नेतृत्व भूमिका में अमेरिका का कम समर्थन। (2) वैश्विक मुद्दों पर भारत की आवाज़ कमज़ोर पड़ना, जिससे मोदी कीव्यक्तिगत प्रतिष्ठा घट सकती है। (6)चुनावी रणनीति पर प्रभाव- (1)यदि टैरिफ वार के कारण महंगाई, बेरोज़गारी या व्यापार घाटा बढ़ा, तो विपक्ष इन मुद्दों को चुनावी हथियार बना सकता है। (2) ग्रामीण और औद्योगिक क्षेत्रों के वोटरों में असंतोष-खासकर यदि कृषि, डेयरी या टेक सेक्टर प्रभावित हों। (?) व्यक्तिगत रिश्तों में ठंडापन-(1)डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेताओं के साथ जो 'दोस्ती' वाली राजनीतिक तस्वीरें बनीं, वे कमजोर होना(2)भविष्य की निजी मुलाकातों या त्वरित फोन डिप्लोमेसी में कठिनाई बढ़ना।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत पर ट्रंप का टैरिफ वार- भारत का झुकने से इनकार- विश्व के दिग्गज देश भारतीय समर्थन को तैयार ट्रंप के खिलाफ टैरिफ से पीड़ित देशों के एकजुट होनें से ट्रंप की मुश्किलें बनेगी? दुनियाँ के सबसे ताकतवर देश से भारत दो-दो हाथ करने को तैयार-पीएम की हुंकार- व्यक्तिगत रूप से मुझे कोई कीमत चुकाने पड़ेगी तो मैं तैयार हूं- देश को पीएम पर नाम है!

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं
गोंदिया महाराष्ट्र

वार्षिक वृक्षारोपण का आयोजन (व्यंग्य)

राजनीति में समाज सेवा का भाव बहुत गहरे समाया हुआ है। पिछले कल ही नेताजी ने अपने ज्यादा वफादार बंदों को बुलाया। पेट भर भटूरे छोले खिलाए गए और सौंफ वाली नए स्वाद वाली चाय भी पिलाई। निकट भविष्य में कोई चुनाव होता दिख नहीं रहा था लेकिन बरसात बीती जा रही थी और वार्षिक वृक्षारोपण अभी तक नहीं हुआ था। बारिश के मौसम में पौधे लगाना बहुत ?रूरी होता है वह अलग बात है कि लगाए गए कुछ पौधे बरसात में खत्म हो जाते हैं जो बचते हैं बिना पानी के सूख जाते हैं। समझदार नेताजी तभी जल्दी से जल्दी वृक्षारोपण आयोजित करवा देना चाहते थे। पौधों का जो हो सो हो, विपक्ष के लोगों को कहने का मौका न मिले कि इनका तो सरकारी वन महोत्सव भी इस बार देर से आयोजित हो पाया।

उन्होंने हर बरस की तरह समझाया, वृक्षारोपण समारोह में पधारने वाले हर पत्रकार को पैक्ड स्नैक्स और स्मृति चिन्ह देना सुनिश्चित किया जाए। सभी के बैठने का बढ़िया इंतजाम वाटर प्रूफ टेंट के नीचे करवाया जाए। बड़े आकार की दो तीन रंगीन छतरियां भी लगाई जाएं। उन्होंने पिछले साल की तरह समझाया, इस बार दी जाने वाली प्रैस रिलीज का मसौदा पहले से टाइप करवाकर तैयार रखें और समारोह के बाद सभी को तुरंत ईमेल भी किया जाए। फेसबुक, वहट्सेप और अन्य साधनों

उन्होंने हर बरस की तरह समझाया, वृक्षारोपण समारोह में पधारने वाले हर पत्रकार को पैक्ड स्नैक्स और स्मृति चिन्ह देना सुनिश्चित किया जाए। सभी के बैठने का बढ़िया इंतजाम वाटर प्रूफ टेंट के नीचे करवाया जाए। बड़े आकार की दो तीन रंगीन छतरियां भी लगाई जाएं।

का प्रयोग भी खूब हो।

पिछले साल की तरह ही नेताजी के निजी ज्योतिषी के परामर्श के अनुसार कार्यक्रम की तिथि निश्चित की गयी, जिस भाग्यशाली जगह नेताजी ने पौधारोपण करना था वहां अड़ोस पड़ोस के निवासियों को भी आमंत्रित किया गया। सबसे आग्रह किया गया कि साफ सुथरे कपड़े पहन कर आएं ताकि सभी के फोटो अच्छे आएं। हालांकि मौसम विज्ञानीजी कह रहे थे कि बारिश होगी लेकिन नेताजी के शानदार भाग्य के कारण पौधारोपण आयोजन के दौरान पानी की बूंद भी नहीं टपकी। छोटे मोटे बादलों ने आसमान में डेरा जमाए रखा जिससे मौसम सुहावना बना रहा तभी कार्यक्रम व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ।

पिछले बरस की तरह वृक्षारोपण के शुभ अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने पारम्परिक व नई हिट फिल्मों के गानों पर डांस किया बाद में लोक नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। नेताजी ने पौधे लगाने के महत्त्व पर बढ़िया प्रकाश डाला। पिछले साल की तरह इस बार लड्डू न बांटकर पनीर बर्गर खिलाया गया। इस स्वादिष्ट बदलाव पर बच्चे, जवान और बूढ़े सभी बहुत संतुष्ट दिखे। पिछले साल की तरह नेताजी ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर पौधा लगाया। उनके साथ आए सज्जनों ने भी गिन गिन कर पौधे लगाए। कैमरों ने सेलफियां खींची और तपाक से वहट्सएप कर दी। जितने पौधे लगाने पड़े, पिछले साल की तरह उससे ज्यादा बताए गए। हर समारोह में कचरा फैलाना अभी भी हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। पिछले वर्ष की तरह इसे तन्मयता से किया गया। नेताजी को विशवास हो गया कि उन्होंने क्षेत्र की वोटें अपनी तरफ कर ली हैं। - **संतोष उत्सुक**

राशिफल

भाद्रपद माह, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी में थोड़ी सी परेशानी या बहुत अच्छा नहीं होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
स्वयं के स्वास्थ्य और अपनों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। व्यापारिक स्थिति मजबूत होगी। स्वास्थ्य अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
धन की चिंता सताएगी। गर्मजोशी नहीं रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य बुझा-बुझा सा रहेगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी रहेगी। व्यापार भी अच्छा रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
खर्च की अधिकता रहेगी। मानसिक परेशानी बनी रहेगी। प्रेम-संतान अच्छा रहेगा। व्यापार भी लगभग ठीक रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। यात्रा बहुत लाभप्रद नहीं होगा। प्रेम-संतान मध्यम रहेगा। व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
कोर्ट-कचहरी से बचें। अभी मनमुताबिक परिणाम नहीं आएगा। राजनीतिक स्थिति मध्यम रहेगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भाग्य पर भरोसा करके कोई काम न करें। मध्यम भाग्य का निर्माण होगा। यात्रा अभी छोड़ दें, न करें।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
परिस्थितियां प्रतिकूल रहेंगी। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। वाहन धीरे चलाएं।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
स्वयं के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी चाकरी की स्थिति मध्यम रहेगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
खर्च की अधिकता रहेगी, यद्यपि शुभ कार्यों में खर्च होगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तूतू-मैंमैं से बचें। महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक दें। भावुकता पर काबू रखें।

बारिश, जलजमाव और जाम ने बढ़ाई टेंशन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में देर रात से हो रही झमाझम बारिश मौसम का मिजाज बदल गया है। कई इलाकों में झमाझम बारिश से तापमान में कमी आई है और मौसम सुहावना हो गया। रक्षाबंधन पर अपने भाइयो को राखी बाँधने निकली बहनों के लिए यहां परेशानी का सबब बन गई है। वहीं प्राधिकरण और उसके अधिकारियों के जल भराव न होने के दावों की पोल खुल गई है।

इस हाईटेक सिटी की हर साल मानसून आने से पहले शहर की नालों की साफ-सफाई और जलभराव रोकने के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं। लेकिन हर साल बारिश में सारे दावे पानी में धुल जाते हैं। यह नजारा है गौतमबुधनगर के सूरजपुर कस्बे का लेकिन जिले के हर इलाके, देहात, सभी जगह पानी भरने की समस्या से लोग को हर साल परेशानी झेलनी पड़ती है। तस्वीरों में देखा जा सकता है, बारिश के कारण हुए जलभराव के चलते सडके एक तालाब में तब्दील हो गयी है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में भी घर से बाहर निकलने वालों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल बारिश की वजह से नोएडा में कई जगह सड़कों पर पानी भर गया है। इससे ट्रैफिक जाम लग गया है। जिसे खुलवाने ट्रैफिक पुलिसकर्मी जुटे हुए है।

एक्सप्रेस ट्रेन में उठा धुआं घबराकर कूदे यात्री

स्लीपर कोच एस-7 के ब्रेक का लेदर चिपकने से घटना

दनकौर। कोतवाली क्षेत्र में दनकौर रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार देर रात पंजाब से बिहार जा रही फरक्का एक्सप्रेस ट्रेन की दो बोगियों के बीच से धुंआ निकलने लगा। घबराए यात्रियों ने चेन पुलिंग कर ट्रेन को रोक दिया। हड़बड़ाहट में कई यात्री ट्रेन रुकने से पहले ही कोच से कूद गए। इससे करीब 20 यात्रियों के पैर व शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। सूचना पर जीआरपी और ट्रेन एस्कॉर्ट मौके पर पहुंचे। जीआरपी अफसरों का कहना है कि ट्रेन में आग नहीं लगी थी। स्लीपर कोच एस-7 के ब्रेक का लेदर चिपकने से धुआं उठा था। 30 मिनट में जांच के बाद ट्रेन को रवाना कर दिया गया।

पंजाब के भटिंडा से बिहार के बालू घाट जाने वाली फरक्का एक्सप्रेस शुक्रवार देर रात करीब 12:30 बजे ट्रेन जब दनकौर रेलवे स्टेशन के समीप पहुंची तो किसी ने चेन पुलिंग कर ट्रेन को रोक दिया। यात्रियों ने बताया कि चेन पुलिंग के बाद जब ट्रेन रुकी तो उसके कोच संख्या एस-7 के पीछे से धुआं निकल रहा था, लेकिन यात्रियों ने आसपास क्षेत्र में आग का धुंआ सोचा और ध्यान नहीं दिया। करीब 15 मिनट रुकने के बाद ट्रेन फिर चल ली तो धुआं तेज हो गया। घबराए यात्रियों ने तुरंत चेन पुलिंग कर ट्रेन को दनकौर स्टेशन से आगे रोक दिया। ट्रेन रुकने के दौरान की यात्री बोगियों से बाहर कूदने लगे। पटरी पर पत्थर होने के कारण कई यात्रियों के पैर में मोच व अन्य चोटें आईं। ट्रेन रुकने के बाद सभी यात्री बाहर निकल गए।

सूचना पर जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि करीब 20 यात्रियों को चोटें लगी हैं। जीआरपी ने बयान जारी कर बताया कि गाड़ी संख्या 15744 फरक्का एक्सप्रेस में एस-7 में एक कॉलर ने बताया था कि ट्रेन के एक कोच में आग लग गई है। कोच के पहियों में किसी कारण से धुआं निकलने का आभास हुआ था। जांच में आग की बात गलत पाई गई। जांच के बाद ट्रेन को रवाना कर दिया गया।

एमिटी विवि. में सरदार वल्लभभाई पटेल का दृष्टिकोण विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी लॉ स्कूल द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के सहयोग से राष्ट्रीय एकता संगोष्ठी योजना के अंतर्गत, 'भारत का सशक्तिकरण - सामाजिक न्याय, लैंगिक समानता और कृषि स्थिरता के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल का दृष्टिकोण' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

इस सम्मेलन का शुभारंभ चेन्नई के सेंटर फॉर पॉलिसी स्टडीज के संस्थापक निदेशक, पद्मश्री प्रो. (डॉ.) जतिंदर कुमार बजाज, एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला, दिल्ली विश्वविद्यालय के पीजीडीएवी कॉलेज में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर, प्रो. (डॉ.) अश्विनी महाजन, जी.बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंत नगर के पूर्व डीन डा शिवेंद्र कश्यप, एमिटी लॉ स्कूल के चेयरमैन डा डी के बंद्योपाध्याय और एमिटी लॉ स्कूल की निदेशक डा शेफाली रायजादा द्वारा किया गया।

सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए चेन्नई के सेंटर फॉर पॉलिसी स्टडीज के संस्थापक निदेशक, पद्मश्री प्रो. (डॉ.) जतिंदर कुमार बजाज ने कहा, की सरदार पटेल के विचार देश के प्रत्येक नागरिक के लिए प्रेरणा हैं ओर वो आज भी प्रांसगिक है। सरदार वल्लभभाई पटेल महात्मा गांधी के निकट सहयोगी थे और शासन के प्रति उनके व्यावहारिक

दृष्टिकोण, जिसमें प्रशासनिक दक्षता, राष्ट्रीय सुरक्षा और सद्भाव को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया था, उन्होनें एक स्थिर और प्रगतिशील भारत की नींव रखी।

एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला ने कहा की लैंगिक समानता और कृषि स्थिरता दो महत्वपूर्ण चुनौतियाँ हैं आज भी हमारा देश उनका सामना कर रहा है। हमें भारत को विश्व का अन्न भंडार बनाने, किसानों की आय और कृषि उत्पादकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के पीजीडीएवी कॉलेज में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर, प्रो. (डॉ.) अश्विनी महाजन ने कहा की सरदार पटेल का दृष्टिकोण आज की दुनिया के लिए अत्यंत मूल्यवान है। आज हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं, किंतु ग्रामीण विकास पर अभी भी ध्यान देने की आवश्यकता है । आज भी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच आय का अंतर बढ़ रहा है।

पंत नगर के जी.बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पूर्व डीन डा शिवेंद्र कश्यप की सरदार पटेल किसान परिवार से थे, इसलिए वे किसानों के प्रति सहानुभूति रखते थे और उनकी समस्याओं को समझते थे। उन्होंने उनकी समस्याओं के निवारण पर ध्यान केंद्रित किया और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष किया।

एमिटी लॉ स्कूल के चेयरमैन डा डी के बंद्योपाध्याय, एमिटी लॉ स्कूल की निदेशक, प्रो शेफाली रायजादा, मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियांक कानूनगो, भारत सरकार के कानून और न्याय मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव डा मनोज कुमार, भारतीय विश्वविद्यालय संघ के संयुक्त सचिव डा आलोक मिश्रा ने भी अपने विचार रखे।

इस अवसर पर अतिथियों द्वारा सम्मेलन आधारित पुरस्कत और ''ग्लोबल पावर थ्रू एजुकेशन'' नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। सम्मेलन में विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागीयो द्वारा लगभग 60 से अधिक पेपर प्रस्तुत किये गयो जिसमें सुश्री शिवानी तिवारी को प्रथम, डा भारती को द्वितीय और सुश्री सांभवी मिश्रा और सुश्री सना कामरा को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

संस्कारित युवा पीढ़ी ही राष्ट्र का भविष्य: अनिल आर्य

दिल्ली। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में श्रावणी पर्व पर दिल्ली के ग्राम जोती टाटा पावर केंद्र, जहांगीर पुरी मूर्ति देवी आर्य पब्लिक स्कूल,आर्यन क्लासेज विश्वास नगर शाहदरा में युवा संस्कार समारोह सम्पन्न हुए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि संस्कारित युवा पीढ़ी ही किसी भी राष्ट्र का भविष्य होती है इसलिए परिषद आर्य समाज के 150 वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में 150 स्थानों पर युवा संस्कार अभियान चला रही हैं।यज्ञ भजन प्रवचन के माध्यम से आर्य संस्कृति के प्रति श्रद्धा बनाई जा रही है जिससे वह अपनी पुरातन आर्य संस्कृति पर गर्व करना सीखें। परिषद का लक्ष्य है युवा देश भक्त बने,माता पिता गुरुजनों का सम्मान करे साथ ही ईश्वर विश्वासी बने। उनका जीवन समाज के लिए एक आदर्श मिसाल हो। आचार्य महेन्द्र भाई,श्याम पाल शास्त्री व अमृता आर्य यज्ञ की ब्रह्मा रहे उन्होंने जीवन से बुराइयों छोड़ने का संकल्प करवाया।

मुख्य अतिथि ओम सपरा (पूर्व मेट्रो पोलेटिन मजिस्ट्रेट) ने कहा कि आर्य समाज सुधारवादी आन्दोलन है जो पाखंड अन्धविश्वास के प्रति जागरूक करते हैं।

कार्यक्रम का संचालन राधा भारद्वाज व गजेंद्र आर्य,महेश भार्गव ने किया.सभी ने यज्ञोपवीत धारण किया। प्रमुख रूप से राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष धर्म पाल आर्य,प्रिं. मंजू आर्या,अरुण आर्य, दशरथ भारद्वाज आदि उपस्थित थे।

डीजल उधार न देने पर सेल्समैन को पीटा

दादरी। कोतवाली क्षेत्र के बील अकबरपुर गांव में पेट्रोल पंप पर सेल्समैन के साथ मारपीट की गई। ट्रैक्टर चालक ने उधार डीजल नहीं देने पर सेल्समैन को पीटा। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक बील अकबरपुर गांव के एक पेट्रोल पंप पर कुंवरपाल कुशवाहा सेल्समैन है। कुंवरपाल ने बताया कि शुक्रवार को फूलपुर गांव का रहने वाला ओमेंद्र ट्रैक्टर लेकर पेट्रोल पंप पर आया था। ओमेंद्र ने टैक्टर में उधार में डीजल डालने के लिए कहा। कुंवरपाल ने बिना रुपये लिए डीजल डालने से मना कर दिया। इसी बात को लेकर आरोपी ओमेंद्र ने कुंवरपाल के साथ मारपीट की।

आरोपी धमकी देकर मौके से भाग गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली प्रभारी कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कूलर में करंट उतरने से युवक की मौत

ग्रेटर नोएडा। रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला कंचन में एक दुखद घटना सामने आई है। शुक्रवार रात को 42 वर्षीय सुनील शर्मा कूलर में पानी डालते समय करंट की चपेट में आ गए।

सुनील अपने घर में रखे कूलर में लोहे की बाल्टी से पानी डाल रहे थे। इसी दौरान अचानक कूलर में करंट दौड़ने लगा। वे गंभीर रूप से झुलस गए। परिजनों ने तुरंत उन्हें जेवर के एक अस्पताल में भर्ती कराया।

अस्पताल में इलाज के दौरान देर रात सुनील की मौत हो गई। इससे पहले गुरुवार को भी इसी गांव में एक और दुर्घटना हुई थी। 21 वर्षीय मैकेनिक मुकेश की रेफ्रिजरेटर ठीक करते समय करंट लगने से मौत हो गई थी। दो दिनों के भीतर गांव में करंट से दो युवकों की मौत से क्षेत्र में शोक की लहर है। स्थानीय निवासियों में बिजली से संबंधित सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

घर से जेवरात समेत कीमती सामान चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-126 स्थित रायपुर खादर गांव में 15 दिन पूर्व एक घर में चोर लाखों के जेवरात, नकदी और मोबाइल फोन चोरी कर ले गए। पीड़ित की शिकायत पर सेक्टर-126 थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित अनवर खान ने पुलिस को बताया कि वह रायपुर खादर गांव में देशराज सिंह चौहान के घर में किराए पर रहते हैं। उनके साथ दोस्त चमन भी इस कमरे में रहता है। 26 जुलाई की रात दोनों कमरे में सो रहे थे। सुबह जब सोकर उठे तो कमरे में समान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर पता चला कि कमरे से उनका कीमती सामान चोरी हो गया। चोर उनके दो मोबाइल फोन, दो सोने की अंगूठी, एक जोड़ी चांदी की पायल और 17 हजारा रुपये ले गए। इसके अलावा उनके दोस्त चमन के तीन मोबाइल फोन और 8500 भी चोरी कर ले गए। थाना प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। जल्द ही घटना का पदार्फाश किया जाएगा।

रक्षाबंधन त्यौहार उपरांत विशेष रेलगाड़ियाँ

रक्षाबंधन त्यौहार के उपरांत रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन के लिए उत्तर रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

04484/04483 ह. निज़ामुद्दीन – मथुरा जं. – ह. निज़ामुद्दीन अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 04484		स्टेशन	गाड़ी सं. 04483	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	10:00	ह. निज़ामुद्दीन	16:30	---
12:30	---	मथुरा जं.	---	13:00

चलने के दिन : 04484 ह. निज़ामुद्दीन से तथा 04483 मथुरा जं. से दिनांक 10.08.2025 को।

ठहराव : ओखला, तुगलकाबाद, फरीदाबाद, फरीदाबाद न्यू टाउन, बल्लभगढ़, असावती, पलवल, रुँधी, शोलाका, बनचारी, होडल, कोसी कलाँ, छाता, अझई, वृन्दावन रोड एवं भूतेश्वर स्टेशन।

स्थान : सामान्य।

04486 ह. निज़ामुद्दीन – जींद एवं 04485 जींद – तिलक ब्रिज अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 04486		स्टेशन	गाड़ी सं. 04485	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	10:30	ह. निज़ामुद्दीन	---	------
10:35	10:36	तिलक ब्रिज	17:40	---
13:50	---	जींद	---	14:00

चलने के दिन : 04486 ह. निज़ामुद्दीन से तथा 04485 जींद से दिनांक 10.08.2025 को।

ठहराव : तिलक ब्रिज, शिवाजी ब्रिज, नई दिल्ली, दिल्ली किशनगंज, विवेकानन्द पुरी हाल्ट, दया बस्ती, शकूर बस्ती, मंगोलपुरी, नांगलोई, मुंडका, घेवरा, बहादुर गढ़, असौदा, रोहद नगर, साँपला, ईस्माइला हरियाणा, खरावड़, अस्थल बोहर जं., रोहतक, समर गोपाल पुर, करँथी, लखन माजरा, किला ज़फरगढ़, जुलाना, जय जय वन्ती, किनाना एवं बिशनपुरा हरियाणा स्टेशन।

स्थान : सामान्य।

04488 पानीपत – दिल्ली एवं 04487 दिल्ली – अंबाला कैंट जं. अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 04488		स्टेशन	गाड़ी सं. 04487	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	---	अंबाला कैंट जं.	17:30	---
---	10:20	पानीपत	15:36	15:37
13:10	---	दिल्ली जं.	---	13:30

चलने के दिन : 04488 पानीपत से तथा 04487 दिल्ली जं. से दिनांक 10.08.2025 को।

ठहराव : मोहरी, शाहाबाद मारकंडा, ढ़ोला माजरा, धीरपुर, ढोडा खेड़ी, कुरुक्षेत्र जं., अमीन, नीलोखेड़ी, तरावड़ी, भैनी खुर्द, करनाल, बजीदा जटां, घरौंडा, कोहंड, बाबरपुर, पानीपत, दिवाना, समालखा, भोडवाल माजरी, गन्नौर, राजलू गढ़ी, सांदल कलां, सोनीपत, हरसाना कलां, राठधना, नरेला, होलम्बी कलां, खेड़ा कलां, बादली, आदर्श नगर दिल्ली, दिल्ली आज़ादपुर एवं सब्ज़ी मंडी स्टेशन।

स्थान : सामान्य।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिये रेलमदद हेल्पलाइन सं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा भारतीय रेल की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

04490 अंबाला कैंट जं. – पानीपत अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी

स्टेशन	गाड़ी सं. 04490	
	आगमन	प्रस्थान
अंबाला कैंट जं.	---	20:10
पानीपत	22:30	---

चलने के दिन : 04490 अंबाला कैंट से दिनांक 10.08.2025 को।

ठहराव : मोहरी, शाहाबाद मारकंडा, ढ़ोला माजरा, धीरपुर, ढोडा खेड़ी, कुरुक्षेत्र जं., अमीन, नीलोखेड़ी, तरावड़ी, भैनी खुर्द, करनाल, बजीदा जटां, घरौंडा, कोहंड एवं बाबरपुर स्टेशन।

स्थान : सामान्य।

04492/04491 गाज़ियाबाद – अलीगढ़ जं. – गाज़ियाबाद अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 04492		स्टेशन	गाड़ी सं. 04491	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	11:00	गाज़ियाबाद	16:00	---
13:00	---	अलीगढ़ जं.	---	13:30

चलने के दिन : 04492 गाज़ियाबाद से तथा 04491 अलीगढ़ जं. से दिनांक 10.08.2025 को।

ठहराव : मारीपत, दादरी, बोड़ाकी, अजायबपुर, दनकौर, वैर, चोला, गंगरौल, सिकन्दरपुर, खुर्जा जं., कमालपुर, डाँवर, सोमना, कुलवा एवं महरावल स्टेशन।

स्थान : सामान्य।

04493/04494 नई दिल्ली – रेवाड़ी – नई दिल्ली अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 04493		स्टेशन	गाड़ी सं. 04494	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	10:20	नई दिल्ली	17:00	---
12:30	---	रेवाड़ी	---	14:30

चलने के दिन : 04493 नई दिल्ली से तथा 04494 रेवाड़ी से दिनांक 10.08.2025 को।

ठहराव : दिल्ली छावनी, पालम, बिजवासन, गुड़गाँव, गढ़ी हरसरु जं. एवं पटौदी रोड स्टेशन।

स्थान : सामान्य।

04496/04495 शामली – दिल्ली शाहदरा जं. – शामली अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 04496		स्टेशन	गाड़ी सं. 04495	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	08:30	शामली	14:05	---
10:40	---	दिल्ली शाहदरा जं.	---	11:40

चलने के दिन : 04496 शामली से तथा 04495 दिल्ली शाहदरा जं. से दिनांक 10.08.2025 को।

ठहराव : कांधला, कासिमपुर खेड़ी, बड़ौत, बागपत रोड, खेकड़ा, नोली एवं गोकुलपुर सबोली हाल्ट स्टेशन।

स्थान : सामान्य।

पर हमें फॉलो करें | उत्तर रेलवे | आपकी सुविधा - हमारा ध्येय | हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

जिला पंचायत के पांच और 112 क्षेत्र पंचायत वार्डों में होगा पंचायत चुनाव

ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत के वार्डों का निर्धारण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी, बिसरख और जेवर ब्लॉक के 82 ग्राम पंचायत में 112 क्षेत्र पंचायत वार्ड और पांच जिला पंचायतों का परिसीमांकन पर आपत्तियों पर सुनवाई के बाद अंतिम सूची जारी कर दी है। दो अगस्त तक आपत्तियां मांगी गई थी। आपत्तियों पर सुनवाई करने के बाद शनिवार को अंतिम सूची जारी की गई। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति आपत्तियों का निस्तारण किया।

जिला पंचायत राज अधिकारी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि गौतमबुद्धनगर में 82 ग्राम पंचायतों में 37232 परिवार है। क्षेत्र की जनसंख्या 227714 है। बिसरख ब्लॉक में जिला पंचायत के वार्ड एक में क्षेत्र पंचायत के वार्ड संख्या 1 से 6, 25, 27 और 36 को शामिल किया है। इनमें दादरी के वार्ड संख्या 1 से पांच तक, 43 और 47 शामिल है। इसमें 8707 परिवार की 53300 जनसंख्या को शामिल है। जिला पंचायत के वार्ड नंबर दो में बिसरख ब्लॉक के क्षेत्र पंचायत के वार्ड नंबर 7 से 24, 25 और 26 और दादरी ब्लॉक के क्षेत्र पंचायत वार्ड 11 से 12 को शामिल किया है। इसमें 6851 परिवार की 42399 जनसंख्या है।

मैग्नस कार्लसन बने

पहले शतरंज ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025 चैंपियन

रियाद। विश्व नंबर एक नॉर्वे के ग्रांडमास्टर मैग्नस कार्लसन (टीम लिक्विड) ने ईरान के ग्रांडमास्टर अलीरेज़ा फिरौज़जा (टीम फाल्कन्स) को फाइनल में लगातार दो सेटों में 3-1, 3-1 से हराकर पहले शतरंज ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ कार्लसन ने न केवल इतिहास रच दिया बल्कि 2,50,000 डॉलर की पुरस्कार राशि और अपनी टीम के लिए 1000 अंक भी अर्जित किए। फाइनल मुकाबला टेनिस की तरह तीन सेटों का था, जिसमें प्रत्येक सेट चार बाजियों का था। अगर ज़रूरत पड़ती तो तीसरा सेट दो बाजियों का होता। कार्लसन ने पहला सेट दो जीत और दो ड्रॉ से 3-1 से जीता। दूसरा सेट फिरौज़जा ने एक जीत से शुरू किया, पर अगले तीनों बाजियाँ हारकर मैच भी गँवा दिया। अमेरिका के ग्रांडमास्टर हिकारू नाकामुरा (टीम फाल्कन्स) ने भारत के ग्रांडमास्टर अर्जुन एरिगैसी (टीम जेन.जी) को 3.5-2.5 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। अर्जुन ने पहली बाजी में जीत दर्ज की थी, इसके बाद मुकाबला बराबरी पर चलता रहा लेकिन निर्णायक बाजी नाकामुरा ने जीतकर कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। नाकामुरा को 1,45,000 डॉलर और अर्जुन को 1,15,000 डॉलर की पुरस्कार राशि मिली। इस टूर्नामेंट में सभी बाजियाँ 10 मिनट के समय नियंत्रण पर खेली गईं। ई स्पोर्ट्स नियमों के अंतर्गत खिलाड़ियों को शोर-रहित हेडफोन पहनने और संगीत सुनने की छूट दी गई। कुल पुरस्कार राशि 15 लाख डॉलर थी और शतरंज खिलाड़ियों को 2.7 करोड़ डॉलर की ई-स्पोर्ट्स साझा इनामी राशि का हिस्सा भी मिला। इस जीत के बाद कार्लसन ने कहा,'सेमीफाइनल वास्तव में सबसे कठिन था और आर्मागेडन की कुछ चालों ने ही फर्क पैदा किया। आज के मुकाबलों में मुझे अधिक नियंत्रण महसूस हुआ, खासकर पहले खेल के बाद। मैं कभी-कभी जल्दी चलने को तरजीह देता हूँ बजाय ज्यादा सोचने के।'

ग्लेन मैक्ग्रा ने की भविष्यवाणी

एशेज 2025 में इंग्लैंड का सफाया करेगा ऑस्ट्रेलिया

नई दिल्ली। महान तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा ने एशेज से पहले एक बार फिर भविष्यवाणी की है। उन्होंने 2025-26 की श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड का 5-0 से सफाया करने का समर्थन किया है। अपने शानदार करियर में छह एशेज जीत में अहम भूमिका निभाने वाले इस पूर्व तेज गेंदबाज का मानना है कि घरेलू परिस्थितियां और ऑस्ट्रेलिया का स्थिर कोर बेन स्टोक्स की टीम के खिलाफ बहुत मजबूत साबित होगा। मैक्ग्रा ने कहा, 'मेरे लिए भविष्यवाणी करना बहुत दुर्लभ है, है ना? और मैं कोई अलग भविष्यवाणी नहीं कर सकता - 5-0!' उन्होंने अपनी परंपरा को कायम रखा जिससे वे शायद ही कभी विचलित हुए हों। 21 नवंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की श्रृंखला नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में ऑस्ट्रेलिया का पहला घरेलू दौरा होगा। इस बीच इंग्लैंड अपने हालिया निराशाजनक रिकॉर्ड का बोझ ढोते हुए ऑस्ट्रेलिया जा रहा है। उन्होंने 2010-11 की सीरीज के बाद से ऑस्ट्रेलिया में कोई टेस्ट नहीं जीता है, जब एंड्रयू स्ट्रॉस ने उन्हें 3-1 से यादगार जीत दिलाई थी। तब से उन्हें दो व्हाइटवॉश (2006-07, 2013-14) और 2017-18 में 4-0 से हार का सामना करना पड़ा है। मैकग्राथ ने अपने आत्मविश्वास का एक बड़ा कारण ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी की गहराई को बताया और पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड तथा नाथन लियोन की दमदार चौकड़ी को एक बड़ा फायदा बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा है। जब पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन अपने घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हों, तो यह काफी मुश्किल होने वाला है। इसके अलावा, इंग्लैंड का जो रिकॉर्ड रहा है, उसे देखते हुए यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वे कोई टेस्ट जीत पाते हैं।'

इंग्लैंड ने 2023 एशेज में घरेलू मैदान पर 2-2 से रोमांचक ड्रॉ हासिल करने के लिए वापसी की, लेकिन 2015 के बाद से वे कलश पर कब्जा नहीं कर पाए हैं। अब जबकि यह मुकाबला ऑस्ट्रेलिया की तेज और उछाल भरी पिचों पर लौट रहा है, मैकग्राथ को उम्मीद है कि मेजबान टीम अपना दबदबा फिर से कायम करेगी। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार 2013-14 में घरेलू धरती पर 5-0 से एशेज वाइटवॉश किया था, एक ऐसी सीरीज जिसे मैकग्राथ अक्सर निर्मम और अनुशासित टेस्ट क्रिकेट का स्वर्णिम मानक मानते हैं।

ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम में

दो भारतीय को मिली जगह

भारत की अंडर-19 टीम के खिलाफ खेलेंगे

मेलबर्न। भारतीय मूल के दो क्रिकेटरों आर्यन शर्मा और यश देशमुख को अगले महीने भारत अंडर-19 टीम के खिलाफ होने वाली घरेलू श्रृंखला के लिए शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया। शर्मा जहां विक्टोरिया के बल्लेबाज हैं, वहीं ऑलराउंडर देशमुख न्यू साउथ वेल्स के उन 5 खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें टीम में चुना गया है। इस टीम को ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच टिम नीलसन कोचिंग देंगे। इस श्रृंखला की शुरुआत 21, 24 और 26 सितंबर को ब्रिस्बेन के इयान हीली ओवल में खेले जाने वाले तीन एकदिवसीय मैचों से होगी।

इसके बाद 30 सितंबर से तीन अक्टूबर तक ब्रिस्बेन में और सात से 10 अक्टूबर तक मैकाय में दो चार दिवसीय मैच खेले जाएंगे। नीलसन की अंडर-19 टीम के कोच के रूप में यह पहली श्रृंखला होगी। वह इससे पहले 2007 से 2011 तक ऑस्ट्रेलिया की सीनियर पुरुष टीम के कोच रह चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया पुरुष अंडर-19 टीम

साइमन बज, एलेक्स टर्नर, स्टीव होगन, विल मालजचुक, यश देशमुख, टॉम होगन, आर्यन शर्मा, जॉन जेम्स, हेडन शिलर, चार्ल्स लैचमुंड, बेन गॉर्डन, विल बायरोम, केसी बार्टन, एलेक्स ली यंग, जेडन ड्रेपर। रिजर्व: जेड हॉलिक, टॉम पैडिंगटन, जूलियन ओसबोर्न।

एशिया कप से पहले ऑस्ट्रेलिया दौरा क्यों है महत्वपूर्ण

हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत ने बताई वजह

बेंगलुरु। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शुक्रवार को कहा कि मजबूत ऑस्ट्रेलियाई टीम का उसके घरेलू मैदान पर सामना करने से उनकी टीम को इस महीने के आखिर में होने वाले एशिया कप से पहले उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलेगी जिनमें सुधार की जरूरत है। भारतीय टीम आज तड़के ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो गई, जहां वह 15 से 21 अगस्त तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में मेजबान टीम के खिलाफ चार मैचों की महत्वपूर्ण श्रृंखला खेलेगी। हरमनप्रीत ने टीम के रवाना होने से पहले कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर खेलना हमेशा बड़ी चुनौती होती है और एशिया कप के लिए तैयारी के इस चरण में हमें इसी की जरूरत है।'

उन्होंने कहा, 'हम इस श्रृंखला को एशिया कप की तैयारी के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देख रहे हैं। हमारा ध्यान एक इकाई के रूप में सुधार करने, मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खुद को परखने और एशिया कप के लिए राजगीर जाने से पहले जरूरी लय हासिल करने पर है।' हरमनप्रीत ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के इस दौरे से हमें एशिया कप से पहले उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलेगी जिनमें सुधार करने की आवश्यकता है। हम ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं।' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच 15, 16, 19 और 21 अगस्त को खेले जाएंगे। इस श्रृंखला से टीम प्रबंधन को एशिया कप के लिए अंतिम टीम के चयन करने में भी मदद मिलेगी। एशिया कप 29 अगस्त से राजगीर में शुरू होगा। इस टूर्नामेंट का विजेता विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करेगा।

भारत का वेलम्मल स्कूल बना फीडे विश्व स्कूल्स टीम शतरंज चैम्पियन

एलेक्जेंड्रिया। विश्व चंपोइओन डी गुकेश और प्रज्ञानन्दा के स्कूल के नाम से पहचान रखने वाले भारत की वेलम्मल एमएचएस स्कूल चेन्नई ने एक बार फिर अपने शतरंज प्रभुत्व का प्रदर्शन करते हुए 2025 फीडे विश्व स्कूल्स टीम चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। अमेरिका के एपिस्कोपल हाई स्कूल के सुंदर परिसर में आयोजित इस प्रतियोगिता में विश्वभर से युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया। आठ राउंड में सभी मैच जीतकर वेलम्मल एमएचएस ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। यह जीत भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी सफलता है। वेलम्मल स्कूल इससे पहले भी कई प्रतिष्ठित खिताब जीत चुका है, और इस स्कूल के पूर्व छात्र ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ,आर. प्रग्गानंधा और लियॉन मेंडोंका जैसे नाम आज विश्व शतरंज में प्रसिद्ध हैं। प्रतियोगिता के अंतिम राउंड में वेलम्मल पहले ही अपराजेय बढ़त बना चुका था। दूसरे स्थान के लिए संघर्ष बेहद रोमांचक रहा, जहां सात टीमें आखिरी राउंड तक रेस में थीं। अंततः कजाखस्तान के 'नेशनल स्कूल ऑफ फिजिक्स एंड मैथेमैटिक्स' ने रजत पदक जीता। अमेरिका की 'द हार्कर स्कूल' ने भी समान अंक अर्जित किए, पर टाईब्रेक में तीसरे स्थान पर रही। चौथे स्थान पर कजाखस्तान की ही 'अस्ताना 2 आरएसपीएम' रही। प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को बोर्ड मेडल भी प्रदान किए गए। तीन खिलाड़ियों ने 8 में से 8 जीतकर परफेक्ट स्कोर बनाया – कजाखस्तान के इमांगाली अखिलबाए (बोर्ड 2), किर्गिस्तान की एदिसा बेरदीबाएवा (बोर्ड 3), और भारत के प्रणव के. पी. (रिजर्व बोर्ड), जिन्होंने वेलम्मल एमएचएस स्कूल की ओर से खेला। जैसे ही वेलम्मल एमएचएस स्कूल के विजेता घोषित हुए, भारतीय राष्ट्रगान की धुनों के बीच मंच पर भारतीय ध्वज लहराया गया और खिलाड़ियों पर रंग-बिरंगे कंफ़ेटी की बौछार हुई। इसी के साथ इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का समापन हुआ, जो न केवल खेल कौशल का प्रदर्शन था, बल्कि वैश्विक एकता, मित्रता और शतरंज के उज्ज्वल भविष्य का संदेश भी लेकर आया।

पूर्व क्रिकेटर सबा करीम का बड़ा दावा

ब्रिस्बेन की जीत ओवल से भी बड़ी

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने ओवल में इंग्लैंड पर 6 रन की ऐतिहासिक जीत दर्ज की और एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुई। इंग्लैंड दौरा भारतीय टीम के लिए सफल रहा, जिसे कई क्रिकेट विशेषज्ञों ने श्रृंखला शुरू होने से पहले ही इसलिए कमतर आंक लिया था क्योंकि उन्होंने एक युवा टीम चुनी थी। हालांकि शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम ने एजबेस्टन और ओवल दोनो में यादगार जीत दर्ज करके अपने सभी संदेहियो को करारा जवाब दिया। ओवल में मिली जीत को भारतीय प्रशंसक आने वाले कई सालो तक याद रखेंगे, लेकिन पूर्व भारतीय क्रिकेटर सबा करीम का मानना है कि 2021 में बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में गाबा में ऑस्ट्रेलिया पर मेन इन ब्लू की तीन विकेट से जीत ज़्यादा प्रभावशाली थी। गौरतलब है कि इस जीत के साथ ही भारत 32 सालो में ब्रिस्बेन में खेले गए टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराने वाली पहली टीम बन गया। करीम ने कहा, 'ब्रिस्बेन बड़ा था। ऑस्ट्रेलिया में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ, और वो भी एक बेहद युवा टीम के साथ, जिसके ज़्यादातर नियमित खिलाड़ी मैदान से बाहर चोटिल थे। भारत के लिए इस तरह की जीत अविश्वसनीय थी। और आम तौर पर, मुझे लगता है कि इसी तरह आप किसी टीम का विकास देखते है, जब आप अच्छा प्रदर्शन करते है और मैच जीतते है, तब भी जब आपके एक या दो नियमित खिलाड़ी उपलब्ध नहीं होते।' उन्होंने आगे कहा, 'इस टेस्ट मैच में भी, हमारे पास जसप्रीत बुमराह नहीं थे, हमारे पास ऋषभ पंत नहीं थे, फिर भी हम मैदान पर उतरे और आखिरी टेस्ट मैच जीता। अगर आप तुलना करें, तो मैं पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ड्रॉ की बात करूंगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ड्रॉ ज्यादा मुश्किल था क्योंकि परिस्थितियां काफी अलग थी और फिर आप एक बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ थे। बल्लेबाजी प्रदर्शन, उस तरह का जोश, उस तरह का रक्षात्मक खेल देखना बहुत अच्छा था। इंग्लैंड अलग था क्योंकि मुझे लगता है कि ड्रॉ कराने के लिए लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा।'

पार्थिव पटेल ने की भारतीय बल्लेबाज की तारीफ

उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से आलोचकों को करारा जवाब

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की तारीफ करते हुए कहा है कि उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से आलोचकों को करारा जवाब दिया है। 'फॉलो द ब्लूज' पर बात करते हुए जियोहॉटस्टार विशेषज्ञ पार्थिव पटेल ने 2025 के इंग्लैंड दौरे के दौरान शुभमन गिल द्वारा आलोचकों को दिए गए जवाब पर विचार किया। उन्होंने कहा, 'चार शतक, 75.40 की औसत और 750 से ज्यादा रन-सभी अलग-अलग परिस्थितियों में बनाए गए। पहले, जब वह बल्लेबाजी करने उतरे, तो सवाल थे- क्या वह सेना देशों में अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे? क्या वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे? लेकिन देखिए उन्होंने क्या जवाब दिए। हेडिंग्ले में पहली पारी में 147 रन। दूसरी पारी में लोगों ने कहा कि उन्होंने उस बड़े स्कोर के बाद अपना विकेट गंवा दिया। फिर एजबेस्टन में पहली पारी में 269 रन बनाए। फिर से,

चर्चा थी कि यह कम साबित हो सकता है, लेकिन उन्होंने दूसरी पारी में 161 रन बनाए। तीसरे टेस्ट में, वह दोनों पारियों में जल्दी आउट हो गए और उनके फॉर्म को लेकर फिर से सवाल उठने लगे, जबकि उन्होंने पिछले मैच में 430 रन बना लिए थे। और फिर मैनचेस्टर में वह शतक आया, एक ऐसे मैच में जिसे भारत को ड्रॉ कराना था। जब भी यह एक चुनौती रही है, जब भी सवाल पूछे गए हैं, गिल ने अपनी बल्लेबाजी से उनका बखूबी जवाब दिया है।' इंग्लैंड श्रृंखला के दौरान भारत के बल्लेबाजी प्रदर्शन में रवींद्र जडेजा की महत्वपूर्ण भूमिका पर पार्थिव ने कहा, 'जडेजा द्वारा बनाए गए 516 रनों का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि पहले टेस्ट मैच में भारत को दो बार बल्लेबाजी क्रम के पतन का सामना करना पड़ा था। ऐसे समय में छठे और सातवें नंबर पर बल्लेबाजों का योगदान महत्वपूर्ण हो जाता है-और रवींद्र जडेजा का नाम स्वाभाविक रूप से आता है, क्योंकि वह उस स्थान पर हैं। उसके बाद बाकी श्रृंखला में एक भी बल्लेबाजी क्रम का पतन नहीं हुआ। जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की और जो निरंतरता दिखाई, वह भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण थी। इस संबंध में जो बात केएल राहुल पर लागू होती है, वह रवींद्र जडेजा पर भी लागू होती है। एक वरिष्ठ खिलाड़ी के लिए ऐसे क्षणों में खड़े रहना महत्वपूर्ण होता है, और जडेजा ने इस श्रृंखला में ठीक यही किया है।'

संजू सैमसन ने की राजस्थान रॉयल्स से रिलीज की मांग

चाहते है चेन्नई सुपर किंग्स से खेलना

नई दिल्ली। आईपीएल के 2025 सीजन में खराब प्रदर्शन के बाद राजस्थान रॉयल्स के खेमे में तनाव की खबरे आ रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल 2026 की नीलामी इस साल के अंत में होने की उम्मीद है। कप्तान संजू सैमसन ने नीलामी से पहले फ्रैंचाइजी से अलग होने की इच्छा जताई है। सैमसन ने कथित तौर पर रॉयल्स को अपना अनुरोध भेज दिया है। या तो उन्हें ट्रेड किया जाए या रिलीज। जिससे उन्हें नीलामी में शामिल होने का मौका मिल सके। सैमसन के परिवार के सदस्यो ने खुले तौर पर कहा है कि 30 वर्षीय सैमसन अब फ्रैंचाइजी के साथ बने नहीं रहना चाहते। इस मतभेद की मुख्य वजह टीम में उनकी भूमिका से जुड़ी हुई प्रतीत होती है। सैमसन पारी की शुरुआत करना चाहते है और अपनी बल्लेबाजी क्रम खुद तय करना चाहते है, लेकिन वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल जैसी युवा प्रतिभाओ के उभरने से टीम के लिए यह मुश्किल हो गया है। सैमसन और फ्रैंचाइजी के बीच असहमति के कुछ और भी कारण हो सकते है। हालांकि अंतिम निर्णय फ्रैंचाइजी को ही लेना है, क्योंकि उनका अनुबंध 2027 तक है। इससे फ्रैंचाइजी मुश्किल स्थिति में है। किसी ऐसे प्रमुख खिलाड़ी को टीम में रखना जो नाखुश है।

'हम सभी को उसका समर्थन करना चाहिए'

एशिया कप टीम में इस सीनियर बल्लेबाज को चाहते हैं अकरम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए देश के शीर्ष बल्लेबाज बाबर आजम की टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी की मांग की है और टीम में एक अनुभवी खिलाड़ी की आवश्यकता पर जोर दिया है। दिसंबर 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी मैच के बाद से पाकिस्तान ने बाबर को टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप से बाहर कर दिया है। उनके औसत दर्जे के स्कोर और निराशाजनक स्ट्राइक रेट के बाद यह स्पष्ट हो गया कि बाबर अब प्रबंधन की योजनाओं में नहीं हैं। एशिया कप के करीब आने और पाकिस्तान अभी भी इस रोमांचक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ संयोजन की तलाश में है, ऐसे में अकरम ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) से बाबर को टीम में फिर से शामिल करने का आग्रह किया है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर उनके पास अधिकार होता, तो वह यह फैसला लेते। अकरम ने एक इंटरव्यू में कहा, 'अगर मेरे पास अधिकार होता, तो मैं बाबर आजम को राष्ट्रीय टी20 टीम में जरूर शामिल करता। एशिया कप और फिर विश्व कप नजदीक आ रहे हैं, और हमें एक सीनियर बल्लेबाज की जरूरत है। प्रशंसकों को याद होगा कि जब उन्होंने 2019 में समरसेट के लिए खेला था, तब उन्होंने लगभग 150 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे। उनमें परिस्थिति के अनुसार अपनी बल्लेबाजी को ढालने की क्षमता है।' पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि 'स्विंग के सुल्तान' ने परिस्थिति के अनुसार अपनी बल्लेबाजी शैली को ढालने की बाबर की क्षमता पर जोर देकर अपनी बात रखी। अकरम का मानना है कि 'दुनिया के सर्वश्रेष्ठ' खिलाड़ियों में से एक होने के नाते बाबर जिम्मेदारी उठा सकते हैं और बाकी टीम को अपने साथ ले जा सकते हैं। अकरम ने बाबर की वापसी की उम्मीद जताई, क्योंकि उनमें अभी भी बहुत कुछ बाकी है और विभिन्न पदों पर खेलने की उनकी बहुमुखी प्रतिभा उन्हें मुख्य कोच माइक हेसन के लिए एक अहम खिलाड़ी बनाती है। उन्होंने कहा, 'जब हम 140 या 160 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं, खासकर बड़ी टीमों के खिलाफ तो हमें किसी ऐसे खिलाड़ी की जरूरत होती है जो जिम्मेदारी ले सके और बाकी 10 खिलाड़ियों को अपने साथ लेकर चल सके। बाबर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक है। वह अपने खेल को प्रारूप और मैच की स्थिति के अनुसार ढाल लेता है - उसने पहले भी ऐसा किया है और भविष्य में भी कर सकता है।' अकरम ने कहा, 'बाबर में अभी भी बहुत क्रिकेट बाकी है और वह पाकिस्तान के लिए बहुत कुछ हासिल कर सकता है।

चेन्नई ग्रांड मास्टर्स शतरंज

अर्जुन एरीगैसी की जीत से शुरुआत निहाल जर्मनी के विन्सेंट से हारे

चेन्नई। भारत के अब तक के सबसे मजबूत ग्रांड मास्टर्स क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट क्वांटबॉक्स चेन्नई ग्रांड मास्टर्स शतरंज के पहले दिन पहले राउंड के पांच मुकाबलों मे दो परिणाम जीत और हार के तौर पर सामने आए जबकि तीन बाजियां बेनतीजा रही। प्रतियोगिता के टॉप सीड ग्रांड मास्टर भारत के अर्जुन एरीगैसी नें एक बार फिर अपने अभियान आरंभ जीत के साथ किया है, अर्जुन नें यूएसए के आवोण्डर लियांग के खिलाफ सफ़ेद मोहरो से राय लोपेज ओपनिंग मे एक प्यादा कुर्बान करते हुए रोचक बाजी खेली और 49 चालों मे जीत दर्ज की । वहीं भारत के निहाल सरीन को जर्मनी के विन्सेंट केमर के खिलाफ एक करेबी हार का सामना करना पड़ा, काले मोहरो से गुन्फ़ील्ड ओपनिंग मे अंत तक चले मुकाबले मे लगभग ड्रॉ होती बाजी मे पराजय का सामना करना पड़ा।

DPL में प्रियांश का आया तूफान, 52 गेंदों में ठोका शतक

प्रियांश आर्या ने ठोका तूफानी शतक, 9 छक्के मारे, सिर्फ इतनी गेंदों में जड़ी सेंचुरी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 के लीग मैच में आउटर दिल्ली वॉरियर्स की ओर से खेलते हुए युवा खिलाड़ी प्रियांश आर्या ने शतक लगाया। उन्होंने ये शतकीय पारी ईस्ट दिल्ली राइडर्स के खिलाफ खेली। अपनी इस पारी के दौरान प्रियांश आर्या ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स के किसी भी गेंदबाज को नहीं छोड़ा और सभी के खिलाफ आक्रामक क्रिकेट खेला। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने धमाकेदार बल्लेबाजी की थी और अब दिल्ली प्रीमियर लीग में भी उन्होंने अपनी टीम के लिए दमदार पारी खेली। प्रियांश ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स के खिलाफ 56 गेंद पर 111 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान सात चौके और 9 छक्के लगाए। युवा खिलाड़ी ने अपना शतक सिर्फ 52 गेंद पर पूरा किया। इस टूर्नामेंट के अपने पहले तीन मैच में प्रियांश आर्या बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे थे लेकिन अहम समय पर वो फॉर्म में वापस लौटे और शतकीय पारी खेली। उनकी इस पारी की वजह से आउटर दिल्ली वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 231 रन बनाए। प्रियांश आर्या के अलावा करन गर्ग ने 43 रन का योगदान दिया. इससे पहले युवा खिलाड़ी ने DPL 2025 के अपने पहले तीन मैच में कुल 50 रन बनाए थे। आउटर दिल्ली वॉरियर्स भी इस बात से काफी खुश होगी कि तूफानी बल्लेबाज सही समय पर अपनी फॉर्म में वापस आ चुका है। आर्या भी अपने इसी फॉर्म को दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 के बचे हुए मुकाबलों में जारी रखना चाहेंगे। इससे पहले प्रियांश ने IPL 2025 में पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए 17 मैच में 27.95 के औसत से 475 रन बनाए थे। उन्होंने एक शतक और दो अर्धशतक जड़े थे। बाएं हाथ के इस ओपनर का बेस्ट स्कोर 103 रन था। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपने घर में ये शतक बनाया था। 23 साल के इस बल्लेबाज ने 39 गेंद पर शतक पूरा किया था और वो IPL में चौथे सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए थे। उनकी इसी बल्लेबाजी की वजह से पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी।

खास खबर

कुलजीत सिंह चहल ने नवयुग स्कूल के बच्चों के साथ मनाया रक्षाबंधन का त्योहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने शुक्रवार को नवयुग स्कूल, मंदिर मार्ग में बच्चों के साथ हर्षोल्लास से रक्षाबंधन का पर्व मनाया। इस अवसर पर छात्रों ने रंग-बिरंगी राखियां बांधकर प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के भाव को अभिव्यक्त किया। चहल ने बच्चों को चॉकलेट और उपहार वितरित कर आशीर्वाद दिया। उन्होंने विद्यालय में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया और छात्रों की रचनात्मकता की सराहना की। चहल ने कहा कि राखी केवल धागा नहीं, बल्कि यह प्रेम, सम्मान और जिम्मेदारी का प्रतीक है। यह पर्व प्रशासन और विद्यार्थियों के बीच विश्वास व सहयोग को मजबूत करता है। कार्यक्रम के बाद उन्होंने शिक्षा निदेशक के साथ विद्यालय का निरीक्षण किया तथा शिक्षकों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली। इस अवसर पर शिक्षा निदेशक कृतिका चौधरी, स्कूल की प्राचार्या और शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

205.33 मीटर पार कर गया जलस्तर, निचले इलाकों में अलर्ट; सभी एजेंसियां सतर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है और शुक्रवार दोपहर को यह 205.33 मीटर को पार कर गया, जो खतरे के निशान के बराबर है। इससे राजधानी में संभावित बाढ़ जैसे हालात की चिंता बढ़ गई है। लोहे के पुल के पास जलस्तर में तेजी से इजाफा दर्ज किया गया है। यमुना का चेतावनी स्तर 204.50 मीटर है जबकि खतरे का निशान 205.33 मीटर और निकासी स्तर 206 मीटर पर माना जाता है।

शुक्रवार सुबह 8 बजे यमुना का जलस्तर 205.10 मीटर था, जो गुरुवार के 204.88 मीटर के मुकाबले अधिक है। इस वृद्धि का मुख्य कारण हथिनीकुंड बैराज से छोड़ा जा रहा पानी है, जो हर घंटे हजारों क्यूसेक की दर से आ रहा है। बैराज से पानी दिल्ली पहुंचने में लगभग 48 से 50 घंटे लगते हैं।

डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट ईस्ट के कार्यालय द्वारा जारी बुलेटिन में बताया गया कि शुक्रवार सुबह हथिनीकुंड बैराज पर 24,613 क्यूसेक और वजीराबाद बैराज पर 46,290 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज हुआ।

सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के अनुसार, निचले इलाकों में रहने वाले लगभग 12,000 लोगों को अलर्ट किया गया है। संबंधित एसडीएम क्षेत्रों में स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं और यदि आवश्यक हुआ तो लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया जाएगा।

झुग्गीवासियों को 'पक्का मकान' के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का बड़ा ऐलान, बोले

'हुनर और रोजगार से बनाएंगे आत्मनिर्भर'

- स्किल ट्रेनिंग से खुलेगा स्वरोजगार का रास्ता
- झुग्गीवासियों को आत्मनिर्भर और गरिमापूर्ण जीवन देने की पहल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने झुग्गीवासियों के लिए एक और बड़ा ऐलान करते हुए उनके लिए रोजगार के अवसर पैदा करने की बात कही है। इससे पहले मुख्यमंत्री यह स्पष्ट कर चुकी हैं कि बिना पक्का आवास दिए किसी झुग्गी पर बुलडोजर नहीं चलेगा। अब उन्होंने झुग्गीवासियों को हुनर सिखाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प दोहराया है।

मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा कि झुग्गी में रहने वाले हमारे परिवारजनों को डबल इंजन की सरकार न केवल पक्का मकान देगी, बल्कि उन्हें हुनर भी सिखाएगी और आत्मनिर्भर बनने के लिए स्वरोजगार के नए रास्ते भी खोलेगी।

50 हजार फ्लैट जल्द होंगे वितरित

रेखा गुप्ता ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि दिल्ली के झुग्गीवासियों को जल्द ही 50,000 फ्लैट दिए जाएंगे, जो कई सालों से बनकर तैयार हैं। इसके अलावा सरकार 10 लाख नए आवासों की योजना भी तैयार कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के कोई झुग्गी नहीं हटेगी।

आजीविका और गरिमा, दोनों की गारंटी

सरकार का मानना है कि हुनर प्रशिक्षण और स्वरोजगार योजनाएं झुग्गीवासियों की आर्थिक स्थिति को सुधारने में मदद करेंगी। इससे न केवल उनकी आय बढ़ेगी, बल्कि वे स्वावलंबी और गरिमापूर्ण जीवन भी जी सकेंगे।

टाइप 7 बंगलों के लिए 5,430 रुपये, टाइप 4 क्वार्टरों के लिए 880 रुपये तय

नेताओं-अफसरों के सरकारी आवासों का बढ़ा किराया

- 5 अगस्त से लागू होंगी नई दरें
- ग्रेटर कैलाश, वसंत कुंज, मयूर विहार के क्वार्टर भी प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में दिल्ली सरकार के नेताओं और अफसरों के लिए बने सरकारी आवासों का किराया अब महंगा हो गया है। लोक निर्माण विभाग (पीडबल्यूडी) ने आदेश जारी कर जनरल पूल के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी आवासों की लाइसेंस फीस (किराया) में संशोधन किया है। नई दरें 5 अगस्त 2025 से प्रभावी होंगी।

पीडबल्यूडी के अनुसार, सिविल लाइंस जैसे वीआईपी इलाकों में स्थित टाइप 7 बंगलों के लिए अब 5,430 रुपए प्रति माह की दर से लाइसेंस फीस वसूली जाएगी। इसी श्रेणी में आम आदमी पार्टी के संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का विवादास्पद आवास 6 फ्लैगस्टाफ रोड भी शामिल है। यह बंगला विभाग के जनरल पूल में सबसे बड़ा माना जाता है, जिसका लिविंग एरिया 1,908 वर्ग मीटर है।

टाइप 6, 5 और 4 क्वार्टरों की नई फीस

वसंत कुंज, तिलक मार्ग, ग्रेटर कैलाश, मयूर विहार जैसे इलाकों में स्थित अन्य क्वार्टरों की फीस भी बढ़ा दी गई है।

- टाइप 6 क्वार्टर (160 वर्ग मीटर): 2,590 रुपए
- टाइप 5 क्वार्टर: 1,750 रुपए
- टाइप 4 क्वार्टर (100 वर्ग मीटर से कम): 880 रुपए

आदेश लागू करने के निर्देश

पीडबल्यूडी ने साफ कहा है कि जिन विभागों के पास पूल आवास हैं, उन्हें इन संशोधित दरों को तत्काल प्रभाव से लागू करना होगा और आवंटियों से वसूली सुनिश्चित करनी होगी। यह किराया सरकार को हर माह भुगतान किया जाएगा।

बेरहम मां ने बच्चे को जन्म देकर उसका गला घोंटा

- हत्या करके कूड़े में फेंकी लाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटेल नगर में एक घरेलू सहायिका ने काम करने वाले घर के बाथरूम में बच्चे को जन्म देने के बाद उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। आरोपी महिला की पहचान 26 वर्षीय रोशनी के रूप में हुई है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, 28 जुलाई को पटेल नगर पुलिस स्टेशन में पीसीआर कॉल के जरिए सूचना मिली कि एक नवजात बच्चे का शव प्लास्टिक बैग में मिला है। शव पश्चिम पटेल नगर की एक बिल्डिंग की पार्किंग में कूड़े के पास मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू की। पूछताछ में सामने आया कि रोशनी रायबरेली की रहने वाली है और पिछले कुछ समय से दिल्ली में घरेलू काम कर रही थी। नवंबर 2024 में वह एक शादी में शामिल होने के लिए गांव गई थी, जहां उसने अपने प्रेमी के साथ संबंध बनाए। बाद में गर्भवती होने की जानकारी मिलने पर उसने प्रेमी को बताया, लेकिन प्रेमी ने साथ देने से इनकार कर दिया। गर्भावस्था छिपाने के लिए रोशनी ने पेट की सूजन का बहाना बनाते हुए बीमारी का झूठ फैलाया। 26 जुलाई को जब मकान मालिक बाहर गए थे, तब उसने अकेले बाथरूम में बच्चे को जन्म दिया और फिर गला दबाकर हत्या कर दी। शव को प्लास्टिक बैग में डालकर कूड़े में फेंक दिया।

उदयपुर फाइल्स की रिलीज को मिली हरी झंडी

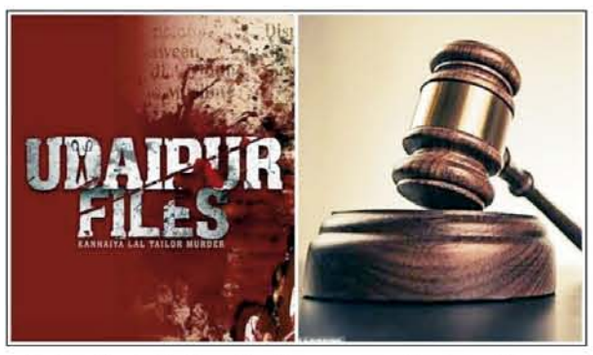

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' की रिलीज पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। यह याचिका कन्हैया लाल हत्याकांड के आरोपी मोहम्मद जावेद ने दायर की थी। उसने कोर्ट से अपील की थी कि फिल्म की रिलीज से मुकदमे पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है, इसलिए इस पर रोक लगाई जाए।

मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि फिल्म पर पाबंदी की कोई जरूरत नहीं है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी ने दलील दी कि फिल्म में चार्जशीट से लिए गए डायलॉग्स हैं और शीर्षक में ही कन्हैया लाल हत्याकांड का उल्लेख है, जिससे निष्पक्ष सुनवाई पर असर पड़ेगा। हालांकि, सरकार की ओर से पेश वकील ने विरोध करते हुए कहा कि फिल्म को प्रमाणपत्र सोच-समझकर और नियमों का पालन करते हुए दिया गया है।

वहीं फिल्म निमार्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि फिल्म में आरोपी का नाम या उसकी भूमिका का कोई उल्लेख नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म निमार्ता ने इसमें अपनी जीवन भर की जमा पूंजी लगाई है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता उनका अधिकार है। गौरतलब है कि फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' 9 अगस्त को रिलीज हो रही है और दर्शकों ने पहले ही टिकट बुक कर लिए हैं। कोर्ट के फैसले के बाद अब फिल्म तय कार्यक्रम के अनुसार रिलीज होगी।

गेट के सामने से स्कूटी हटाने को कहा तो भड़क उठे पड़ोसी; चाकुओं से किया हमला, मौत, दो आरोपी गिरफ्तार

पार्किंग विवाद में एक्ट्रेस हुमा कुरैशी के चचेरे भाई की बेरहमी से हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी के 42 वर्षीय चचेरे भाई आसिफ कुरैशी की स्कूटी पार्किंग विवाद को लेकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। यह घटना गुरुवार रात करीब 10:30 बजे जंगपुरा भोगल लेन में हुई।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि आसिफ का कुछ युवकों से उस समय विवाद हुआ, जब उसने अपने घर के सामने खड़ी स्कूटी को हटाने को कहा। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में बहस हो गई, जिसके बाद आरोपियों ने आसिफ पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल आसिफ को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पड़ोसियों ने किया अचानक हमला

पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। हत्या के आरोप में दो युवकों 19 वर्षीय उज्ज्वल और 18 वर्षीय गौतम को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपी सगे भाई हैं और मृतक आसिफ के पड़ोस में ही रहते हैं। आसिफ की पत्नी साइनाज कुरैशी ने पुलिस को बताया कि आरोपियों से पहले भी पार्किंग को लेकर झगड़ा हो चुका था। गुरुवार को जब आसिफ ने स्कूटी हटाने को कहा, तो आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और फिर अचानक हमला कर दिया।

आप ने उठाए कानून-व्यवस्था पर सवाल

मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं और पुलिस आम लोगों की सुरक्षा के बजाय आम आदमी पार्टी के नेताओं को निशाना बनाने में जुटी है। भारद्वाज ने लुटियन जोन में सांसद की चेन स्नैचिंग का हवाला देते हुए कहा कि चोरी, स्नैचिंग, हत्या और डकैती आम हो गई है और पुलिस की प्राथमिकता राजनीतिक बदले पर केंद्रित है।

स्वतंत्रता दिवस से पहले राजधानी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

10,000 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व स्तर तक बढ़ा दिया गया है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाल किले से दिए जाने वाले संबोधन को देखते हुए पूरे क्षेत्र को कई सुरक्षा स्तरों में बांटा गया है। सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन डिटेक्शन सिस्टम और फेस रिकग्निशन तकनीक के जरिए की जाएगी।

लाल किले के आसपास ऊंची इमारतों पर स्नाइपर तैनात किए जाएंगे, वहीं छतों पर निगरानी दल भी सक्रिय रहेंगे। इसके अलावा, प्रतिबंधित क्षेत्रों में आने-जाने के लिए एक्सेस कंट्रोल मैकेनिज्म लागू किया गया है, जिससे केवल अधिकृत व्यक्ति ही इन इलाकों में प्रवेश कर सकें।संवेदनशील इलाकों में रात्रि गश्त, पैदल गश्त और सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी तैनात किए जा रहे हैं। इसके साथ ही साइबर यूनिट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय है, जिससे किसी भी अफवाह या गलत सूचना अभियान को समय रहते रोका जा सके। दिल्ली पुलिस आयुक्त एसबीके सिंह ने विशेष पुलिस आयुक्त और जोनल उपायुक्तों को आदेश दिया है कि वे अपने क्षेत्रों में लगातार सतर्कता बनाए रखें।

'सूट-सलवार में नहीं आ सकते!' रेस्टोरेंट का रवैया देख भड़की दिल्ली सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पीतमपुरा इलाके से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहां एक दंपति को पारंपरिक भारतीय परिधान सूट-सलवार और पैंट-टीशर्ट पहनने के कारण रेस्टोरेंट में प्रवेश नहीं दिया गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के मुताबिक, यह घटना 3 अगस्त की है। कपल ने आरोप लगाया कि रेस्टोरेंट प्रबंधन सिर्फ वेस्टर्न और छोटे कपड़े पहनने वालों को ही अंदर जाने की अनुमति देता है। वीडियो में एक व्यक्ति यह कहते हुए दिखाई दे रहा है कि ऐसे रेस्टोरेंट्स पर रोक लगनी चाहिए, जो भारतीय संस्कृति का अपमान करते हैं। वीडियो में यह भी सवाल उठाया गया कि अगर देश की राष्ट्रपति या दिल्ली की मुख्यमंत्री पारंपरिक पहनावे में आतीं, तो क्या उन्हें भी प्रवेश से रोका जाता? इस मामले पर दिल्ली सरकार ने त्वरित संज्ञान लिया है। दिल्ली के कानून एवं संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा ने इसे ह्यअस्वीकार्यह्ण बताते हुए सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के आदेश दिए हैं और अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

रेस्टोरेंट ने मांगी माफी

विवाद बढ़ने पर रेस्टोरेंट मालिक ने अपनी गलती स्वीकारते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। मंत्री कपिल मिश्रा ने जानकारी दी कि अब परिधान के आधार पर कोई भी प्रतिबंध नहीं होगा। साथ ही, रेस्टोरेंट ने घोषणा की है कि रक्षाबंधन के अवसर पर भारतीय पोशाक में आने वाली बहनों को विशेष छूट दी जाएगी।

नौकरी की अनिश्चितता और सैलरी में देरी के खिलाफ कर्मचारियों ने दायर की याचिका

मोहल्ला क्लीनिक कर्मचारियों ने हाईकोर्ट का रुख किया

- 6 साल से अधिक सेवा के बाद भी नहीं मिली स्थायीत्व की गारंटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक में कार्यरत डॉक्टरों, नर्सों, फार्मासिस्टों और पैरामेडिकल स्टाफ ने नौकरी की असुरक्षा और लगातार वेतन में देरी के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की है। 28 जुलाई को दायर की गई इस याचिका में अदालत से मांग की गई है कि मौजूदा कर्मचारियों को मनमाने ढंग से हटाने पर रोक लगाई जाए और समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित किया जाए। याचिका में कहा गया है कि सैलरी की अनियमितता के कारण कई कर्मचारी गंभीर आर्थिक तंगी और मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं। वर्षों से सेवाएं देने के बावजूद न तो स्थायीत्व मिला है और न ही प्रशासनिक पारदर्शिता। यह याचिका केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) में 3 अगस्त को दायर होने वाली एक अन्य याचिका से पहले आई है, जो कर्मचारियों की बेचैनी और बढ़ती नाराजगी को दशार्ती है।

'डिटेलमेंट ट्रांसफर' बना चिंता का कारण

हेल्थकेयर वर्कर्स चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रतिनिधि अनीश कुमार के अनुसार, कई कर्मचारियों को ह्यडिटेलमेंट ट्रांसफरह्ण देकर बिना नई पोस्टिंग के दरकिनार कर दिया गया है। यह उन्हें औपचारिक रूप से बर्खास्त किए बिना हटाने की एक सोची-समझी रणनीति है।

सरकार के वादे अधूरे

17 मई को कर्मचारियों के प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पैरामेडिकल और सहायक स्टाफ को आरोग्य मंदिरों में समायोजित करने का आश्वासन दिया था। लेकिन अब तक उस आश्वासन पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। कर्मचारी अब न्याय की उम्मीद लेकर अदालत पहुंचे हैं।

गाजीपुर का महाहर धाम, यहां दशरथ के श्राप से प्रकट हुआ था 13 मुखी शिवलिंग

गाजीपुर जिले के मरदह ब्लॉक में स्थित महाहर धाम पूर्वांचल के सबसे प्राचीन और आस्था से जुड़े शिव मंदिरों में से एक है। यह स्थल त्रेतायुग से जुड़ा हुआ है और श्रवण कुमार की करुण कथा घटित हुई थी। किंवदंती के अनुसार, अयोध्या के राजा दशरथ शिकार के लिए इस क्षेत्र में आए थे, तभी पास ही दृष्टिहीन माता-पिता को तीर्थ यात्रा पर ले जा रहे है।

श्रवण कुमार अपने माता-पिता के लिए पास के सरोवर (पोखरे) से जल भरने गए। राजा दशरथ ने झाड़ियों में हलचल सुनकर भ्रमवश शब्दभेदी बाण चला दिया। जिससे श्रवण कुमार की मृत्यु हो गई। उनके माता-पिता ने दुखी होकर दशरथ को पुत्र वियोग का श्राप दिया। स्थानीय लोगों और पुजारी के अनुसार, आज भी मंदिर परिसर का प्राचीन सरोवर वही माना जाता है। श्रवणडीह गांव श्रवण कुमार के नाम पर ही बसा है। बारिश और सावन के मौसम में यह सरोवर कमल के फूलों से ढक जाता है।

तेरह मुखी शिवलिंग और मंदिर परिसर की विशेषता

महाहर धाम का सबसे बड़ा आकर्षण है। इसका 13 मुखी शिवलिंग जो पूरे उत्तर भारत में अद्वितीय माना जाता है। श्राप मुक्ति और संतान प्राप्ति की कामना से राजा दशरथ ने ही शिवलिंग की स्थापना कराई थी। पुजारी के अनुसार, यह शिवलिंग मंदिर निर्माण के दौरान खुदाई में 8-10 फीट नीचे स्वतः प्रकट हुआ था। इस शिवलिंग की पूजा मनोकामना पूर्ण करने वाली मानी जाती है।

श्राप ने जन्म दिया 13 मुखी शिवलिंग

स्थानीय बुजुर्ग उपाध्याय जी बताते हैं कि बाल्मीकि रामायण से लेकर तुलसीदास रामायण और कई लोककथाओं में इसका जिक्र मिलता है। पहले दशरथ की कोई संतान नहीं थी। शिवलिंग की स्थापना व पूजा-अर्चना के बाद ही उन्हें चारों पुत्र—राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न प्राप्त हुए। मंदिर परिसर में शिवलिंग के अलावा भैरव बाबा (काल भैरव), राधा-कृष्ण, राम-लक्ष्मण-जानकी, माता दुर्गा, भगवान हनुमान, संत रविदास और भगवान ब्रह्मा की चार मुखी प्रतिमा भी स्थापित है। सावन और महाशिवरात्रि पर यहां कांवड़ियों और भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। जो गंगा से जल लाकर शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं।

लोकमान्यता और आज की आस्था

महाहर धाम केवल पौराणिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि लोक आस्था और ग्रामीण संस्कृति का प्रमुख केंद्र भी है। यहां हर सोमवार को और विशेषकर सावन माह में पूरा परिसर बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठता है। सावन के प्रत्येक सोमवार को स्वयं भगवान शिव रात्रि विश्राम के लिए आते हैं। इसे मनोकामना सिद्ध पीठ मानते हैं। आज भी दूर-दराज से श्रद्धालु यहां पुत्र कामना, पारिवारिक सुख और हर तरह की मनोकामना पूरी करने के लिए आते हैं। इतिहास और धर्मग्रंथों के अलावा, महाहर धाम का विवरण लोक साहित्य, स्थानीय कथाओं और अखबारों में भी मिलता है। कई किताबों में इसे त्रेता युगस्थ तीर्थ के रूप में उल्लेखित किया गया है, जहाँ दशरथ द्वारा स्थापित तेरह मुखी शिवलिंग आज भी भक्तों की आस्था का केंद्र है।

निष्कर्ष

महाहर धाम अपने पौराणिक महत्व, तेरह मुखी शिवलिंग की अनोखी संरचना, श्रवण कुमार की कथा और लोक आस्था के कारण गाजीपुर ही नहीं। पूरे पूर्वांचल का प्रमुख धार्मिक स्थल है। यहां की यात्रा भक्तों को शांति, आस्था और आश्वस्ति प्रदान करती है।

चार युग के लिए चार स्तम्भ अब बस एक ही बचा है ! शिव मंदिर

भारत देश में मंदिरों का एक विशेष महत्व है। पूरे भारत में, विभिन्न देवताओं के लिए मंदिर बनाए गए हैं। यहां के कई मंदिरों में ऐसे चमत्कार शामिल हैं जो मानव मस्तिष्क की पहुंच से परे हैं।

भारत में प्रसिद्ध गुफा मंदिर भी हैं। यहां जिस गुफा मंदिर की बात की जानी है, वह केवल एक स्तंभ की ताकत पर खड़ा है।

वह कैसे संभव है?

सामान्य रूप से एक इमारत का समर्थन करने के लिए 4 स्तंभों की ताकत की आवश्यकता होती है। अगर इनमें से कोई एक भी क्षतिग्रस्त हो जाता है तो भी इमारत के गिरने की आशंका रहती है। उस स्थिति में, भारत में केदारेश्वर मंदिर केवल एक स्तंभ की ताकत द्वारा समर्थित है।

गुफा मंदिर महाराष्ट्र के अहमदनगर में स्थित है। हरीश चंद्रगढ़ पहाड़ियों में स्थित इस गुफा मंदिर तक ट्रेकिंग करके पहुंचा जा सकता है। भगवान शिव इस मंदिर के मुख्य देवता हैं। गर्भगृह पानी के बीच में चार स्तंभों के बीच स्थित है।

शिव मंदिर मूल रूप से चार स्तंभों के साथ बनाया गया था। कहानियों के अनुसार, इन चार स्तंभों का निर्माण सत्य युग, त्रेता युग, द्वापर युग और कलियुग का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया गया था। ऐसा कहा जाता है कि एक युग के अंत में भी उनकी वजह से एक स्तंभ ढह गया। उनके आस-पास के लोग यही मानते हैं।

इस समय कलियुग चल रहा है। नतीजतन, केवल स्तंभ जो इस युग का प्रतिनिधित्व करता है वह अखंड रहता है। ऐसा माना जाता है कि यदि यह कलियुग समाप्त हो जाता है, तो स्तंभ भी ढह जाएगा।

यदि ऐसा होता है, तो इस मंदिर की स्थिति ज्ञात नहीं है। इस गुफा मंदिर के बारे में एक और रोचक जानकारी है। इस मंदिर के बीच में स्थित तालाब कभी सूखता नहीं, कहा जाता है कि यहां साल भर पानी रहेगा। गर्मियों में इसका पानी ठंडा और सर्दियों में गर्म होता है। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, यह इस एकल स्तंभ के बीच में है और इसके बीच में शिवलिंग है।

इस शिव लिंग तक पहुंचने के लिए कमर तक पानी में चलना पड़ता है। पहाड़ी पर चढ़ाई करना इस मंदिर तक पहुंचने का एकमात्र तरीका है। इस प्रकार, यह स्थान यात्रियों के लिए एक पसंदीदा स्थान भी है।

क्या शिव तांडव केवल क्रोध है या सृष्टि का रहस्य?

जब भी 'शिव तांडव' की बात होती है, तो ज़्यादातर लोगों के मन में इसका मतलब होता है भगवान शिव का प्रलयंकारी क्रोध, वह नृत्य जो संहार का प्रतीक है। लेकिन क्या यह पूरी सच्चाई है? दरअसल, शिव का तांडव केवल विनाश नहीं बल्कि सृजन, ऊर्जा, लय और ब्रह्मांड के संतुलन का भी प्रतीक है। तांडव शब्द स्वयं संस्कृत के 'तण्डु' धातु से आया है, जिसका अर्थ है 'कंपन' या 'ऊर्जा'। नटराज रूप में शिव का नृत्य ब्रह्मांड के निर्माण, पालन और संहार के चक्र को दर्शाता है।

पुराणों, नाट्यशास्त्र और अनेक शैव ग्रंथों में शिव के कुल सात तांडव का उल्लेख मिलता है और हर तांडव की अपनी अलग भूमिका और भाव-भंगिमा है। यह तांडव केवल शारीरिक नृत्य नहीं, बल्कि आध्यात्मिक प्रक्रिया का प्रतीक भी हैं। नटराज की जटा से बहती गंगा हो, पैरों के नीचे कुचला अज्ञान हो या डमरू से निकलती नादध्वनि ये सब मिलकर तांडव को दिव्य बनाते हैं। आइए जानते हैं, शिव के सात प्रमुख तांडव कौन-कौन से हैं और उनमें क्या रहस्य छिपा है।

शिव के प्रमुख सात तांडव

आनंद तांडव

यह तांडव सृष्टि के उत्सव का प्रतीक है। जब शिव सृजन और सृष्टि के संतुलन में मग्न होते हैं, तब वह आनंद तांडव करते हैं। यह नृत्य सौंदर्य, संगीत और चेतना की ऊँचाई को दर्शाता है।

संहार तांडव

यह वही तांडव है जिसे प्रलय या संहार से जोड़ा जाता है। जब शिव क्रोधित होकर सृष्टि का अंत करना चाहते हैं, तब यह तांडव करते हैं। यह विनाश के साथ-साथ नए सृजन की भी भूमिका तय करता है।

शिव तांडव

इसे ही 'शुद्ध तांडव' भी कहते हैं। यह शिव का सामान्य नृत्य होता है, जिसमें ब्रह्मांडीय ऊर्जा की लयबद्ध गति दिखाई देती है। यह न त्वरित है न ही धीमा बल्कि संतुलित गति से होता है।

कल्याण तांडव

जब शिव देवताओं और ऋषियों को शिक्षा देने या कृपा करने हेतु नृत्य करते हैं, तो यह कल्याण तांडव होता है। यह शांति और ज्ञान का प्रतीक है।

संध्या तांडव

यह तांडव दिन और रात के संधिकाल पर किया जाता है। मान्यता है कि ब्रह्मांड की ऊर्जा में जो बदलाव उस समय होता है, उसे शिव अपने नृत्य से संतुलित करते हैं।

त्रिपुर तांडव

त्रिपुरासुर के विनाश के समय शिव ने यह तांडव किया था। यह तांडव राक्षसी शक्तियों के अंत और धर्म की पुनः स्थापना का प्रतीक है।

गोरतांडव

यह तांडव शिव ने मां पार्वती को दिखाने के लिए किया था, जिसमें उन्होंने अपनी शक्तियों और विभिन्न भावों का प्रदर्शन किया। यह प्रेम, करुणा और शक्ति का मिश्रण है।

भादो माह में कितनी बार मनाया जाता है तीज का पर्व

हिंदू धर्म में तीज का पर्व सुहागिन महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। साल में तीज का पर्व तीन बार पड़ता है। साल की पहली तीज सावन के महीने में मनाई जाती है, जिसे हरियाली तीज के नाम से जाना जाता है। हरियाली तीज के 15 दिन के बाद अगली तीज आती है।

सावन के महीने के बाद भाद्रपद माह पड़ता है। भाद्रपद माह में कजरी तीज और हरतालिका तीज का पड़ती है। कजरी तीज का पर्व रक्षाबंधन के तीन दिन के बाद मनाया जाता है। भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। कजरी तीज को बड़ी तीज भी कहते हैंऔर इसे कजली तीज भी कहा जाता है। कुछ जगह इसे सातुड़ी तीज भी कहते हैं।

कजरी तीज

भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि को कजरी तीज का पर्व मनाते हैं। साल 2025 में भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि 11 अगस्त 2025, को सुबह 10.33 मिनट पर प्रारंभ होगी, जो 12 अगस्त 2025 को सुबह 8.40 मिनट पर समाप्त होगी। कजरी तीज का व्रत 12 अगस्त, मंगलवार के दिन रखा जाएगा।

इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य और जीवन में तरक्की के लिए व्रत करती हैं।

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार माता पार्वती ने कजरी तीज का व्रत भगवान शिव के लिए किया था। उन्होंने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए यह व्रत किया था, और उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया था।

हरतालिका तीज

हरतालिका तीज का व्रत भाद्रपद मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। साल 2025 में तृतीया तिथि 25 अगस्त को सुबह 3.04 मिनट पर प्रारंभ होगी, जो 26 अगस्त, सुबह 04.24 मिनट पर समाप्त होगी। हरतालिका तीज का व्रत सोमवार, अगस्त 25, 2025 को रखा जाएगा।

इस दिन सुबह पूजा का मुहूर्त 06.17 मिनट से लेकर 08.57 मिनट तक रहेगा।

इस दिन प्रदोष काल में पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 7.39 मिनट से लेकर 9.47 मिनट तक रहेगा।

इस दिन महिलाएं भगवान शिव व माता पार्वती की रेत के द्वारा बनाई गई मूर्तियों की पूजा करती हैं और सुखी वैवाहिक जीवन तथा संतान की प्राप्ति के लिए प्रार्थना करती हैं।

हरतालिका तीज का व्रत सुहागिन महिलाएं करती हैं। हरतालिका तीज की कथा के अनुसार, माता पार्वती की सहेलियां उनका अपहरण कर उन्हें घने जंगल में ले गई थीं, ताकि पार्वती जी की इच्छा के विरुद्ध उनके पिता उनका विवाह भगवान विष्णु से न कर दें।

घर की दरिद्रता दूर करने के लिए वास्तु के क्या उपाय करने चाहिए?

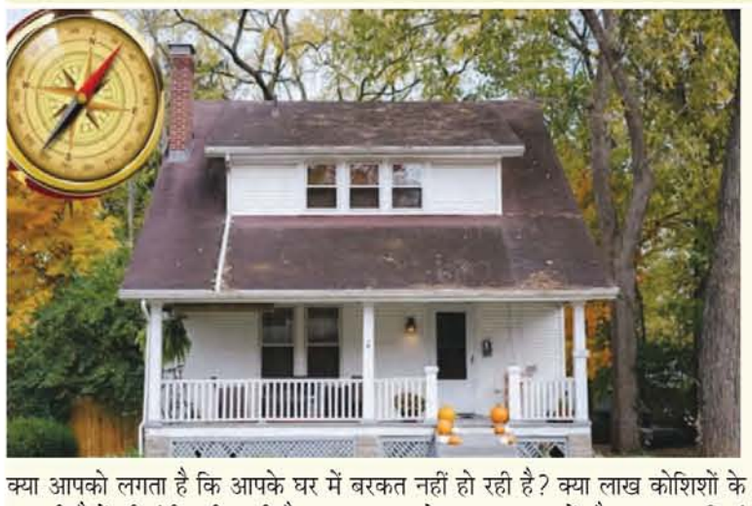

क्या आपको लगता है कि आपके घर में बरकत नहीं हो रही है? क्या लाख कोशिशों के बाद भी पैसों की तंगी बनी रहती है? वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में मौजूद कुछ कमियां दरिद्रता का कारण बन सकती हैं। वहीं सही वास्तु उपायों को अपनाकर आप इन परेशानियों को दूर कर सकते हैं और घर में सुख-समृद्धि ला सकते हैं। आइए जानते हैं।

घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहे, इसके लिए न केवल मेहनत और सकारात्मक सोच जरूरी है, बल्कि घर का वास्तु भी बेहद अहम भूमिका निभाता है। कई बार देखा जाता है कि अच्छी आय होने के बावजूद भी घर में धन टिकता नहीं, अनावश्यक खर्च बढ़ते हैं और मानसिक तनाव बना रहता है। इसके पीछे एक कारण घर में मौजूद वास्तु दोष भी हो सकता है। ऐसे में अगर कुछ आसान वास्तु उपाय किए जाएं, तो दरिद्रता को दूर किया जा सकता है और मां लक्ष्मी की कृपा हमेशा बनी रह सकती है।

घर की दरिद्रता दूर करने के लिए वास्तु के करें ये उपाय!

घर की साफ-सफाई पर ध्यान दें

वास्तु शास्त्र के अनुसार, मां लक्ष्मी वहीं वास करती हैं, जहां साफ-सफाई होती है। अपने घर को हमेशा स्वच्छ रखें। खासतौर पर घर के मुख्य द्वार और पूजा घर को नियमित रूप से साफ करें। सुबह-शाम घर के कोनों में और मुख्य द्वार पर झाड़ू-पोछा करें।

अपने को हनुमान चालीसा से जोड़ें फिर प्रकृति से जोड़ें

मनुष्य की फितरत है बर्बाद हो जाना- दौलत, प्रतिष्ठा या प्रेम के लिए। तो जब बर्बाद ही होना है तो क्यों ना परमात्मा के लिए बर्बाद हो जाएं? मीरा, कबीर, सूर, तुलसी, हनुमान- ये सब परमात्मा के कारण बर्बादी का स्वाद चखे हुए लोग हैं। यहां बर्बादी का अर्थ पतन नहीं, परम आनंद को प्राप्त हो जाना है। तुलसी ने रामचरितमानस के किष्किंधाकांड में श्रीरामजी की लक्ष्मणजी से बातचीत का अद्भुत चित्रण किया है। दोनों भाइयों की बातचीत के केंद्र में प्रकृति है। देश के सबसे स्वच्छ नगर इंदौर में एक कार्यक्रम होता है- 'एक शाम, रिश्तों के नाम', जिसमें हनुमान चालीसा का महापाठ किया जाता है। उससे संदेश यह मिलता है कि हम अपने को प्रकृति से कैसे जोड़ें। 14 वर्षों से यह कार्यक्रम हो रहा है। 100वां आयोजन है। इंदौर को अधिकार है कि प्रकृति का जैसे उसने मान किया, यह संदेश सारे देश में पहुंचे। रक्षाबंधन की पूर्व-संध्या पर आज संस्कार टीवी पर इसका सीधा प्रसारण होगा, शाम 7 बजे से। हनुमान चालीसा से जुड़ें, फिर प्रकृति से जुड़ें।

'दयालुता' का पाठ पढ़ाएंगी अनन्या पांडे

अनन्या पांडे ने बच्चों के लिए अपनी नई पहल 'काइंडनैस करिकुलम' की शुरुआत की है। यह पहल उसके सामाजिक प्रोजेक्ट ' सो पॉजिटिव' का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य बच्चों में दयालुता, समझदारी और सकारात्मकता की भावना विकसित करना। 'काइंडनैस करिकुलम' को विशेष रूप से स्कूलों में पढ़ाया जाएगा और सबसे दिलचस्प बात है कि इसके सभी 6 मॉड्यूल अनन्या खुद पढ़ाएगी। अनन्या न केवल प्रत्येक चैप्टर को समझाएगी, बल्कि बच्चों को एक्टिविटीज के जरिए गाइड भी करेगी और अपनी व्यक्तिगत जिंदगी के अनुभवों को उनके साथ साझा करेगी, ताकि बच्चे इन बातों से गहरे तरीके से जुड़ सकें।

अपनी इस पहल के बारे में अनन्या ने कहा, "यह सिर्फ वैल्यू सिखाने का विषय नहीं है, बल्कि हम बच्चों को एक ऐसी दुनिया में तैयार करना चाहते हैं, जो सुरक्षित और दयालु हम उन्हें कला, कविता और रचनात्मकता के जरिए यह समझाना चाहते हैं कि खुद और दूसरों से दयालु होना उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

अनन्या की यह पहल न केवल शिक्षा में दयालुता को बढ़ावा देगी, बल्कि बच्चों के मानसिक और भावनात्मक विकास में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस प्रोग्राम का उद्देश्य बच्चों को सिर्फ अकादमिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि जीवन के सकारात्मक पहलुओं की सीख भी देना है।

सकारात्मक डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए अपने प्लेटफॉर्म का लगातार उपयोग करने वाली अनन्या ने कहा, ' इसो पॉजिटिव में हम जो कुछ भी करते हैं, उसके केंद्र में हमेशा दयालुता रही है। मेरा मानना है कि अगर हम बच्चों में छोटी उम्र से ही दयालुता का संचार कर सकें, तो बड़े होने पर यह उनके लिए स्वाभाविक हो जाएगा। दुनिया में चल रही हर चीज को देखते हुए, मुझे एक ऐसी पीढ़ी के निर्माण में मदद करने की और भी ज्यादा जरूरत महसूस होती है, जो अधिक सहानुभूतिपूर्ण, भावनात्मक रूप से जागरूक और बस... दयालु हो।

यह पाठ्यक्रम समाज सेवी संस्था 'स्लैम आऊट लाऊड' की 'जिजीविषा फैलोशिप' और ' आर्ट्स फॉर ऑल कार्यक्रम' के माध्यम से देश भर के स्कूलों में लागू किया जाएगा। कला- आधारित शिक्षा के माध्यम से करुणा और दया की खोज में मदद करके, इससे 2.5 लाख से अधिक बच्चों पर प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। पहुंच को व्यापक बनाने के लिए, यह पाठ्यक्रम' सो पॉजिटिव' के यू-ट्यूब चैनल पर भी उपलब्ध है, ताकि दुनिया भर के माता-पिता और शिक्षक इसे अपने शिक्षण वातावरण में शामिल कर सकें ।

खूबसूरती के सीक्रेट बताए

दूसरी ओर अनन्या ने हाल ही में अपनी फिटनेस और खूबसूरती पर बात करते हुआ कहा कि यह एक दिन की प्रक्रिया नहीं है। यदि आप खूबसूरत रहना चाहते हैं तो आपको हर दिन कड़ी मेहनत करनी होगी। उसने बताया कि किस तरह से वह अपनी डाइट और व्यायाम का ध्यान रखती है। वह योग से मानसिक शांति प्राप्त करती है और जुंबा, पिलाटे, रनिंग आदि से शरीर को फिट रखती है।

उसने कहा कि आप किसी भी तरह की नौकरी करें लेकिन दिनभर में दस हजार कदम चलना न भूलें । हम चलना भूल गए हैं। इसलिए बीमार होते जा रहे हैं। अनन्या ने कहा कि फैशन के बहुत से टाइप हैं लेकिन जो आपके ऊपर अच्छा लगे, आपको उसे चुनना चाहिए। उसने कहा कि शरीर के साथ आपका मन भी खूबसूरत होना चाहिए।

वड़ा पाव की शौकीन

वहीं खाने-पीने की बात करते हुए अनन्या ने बताया कि उसे बड़ा पाव सबसे अधिक पसंद है क्योंकि वह एक पक्की मुंबई गर्ल है।

बॉलीवुड में बहुत भेदभाव है : नुसरत

प्यार का पंचनामा', 'एल.एस.डी.', 'प्यार 'ड्रीम गर्ल', 'सोनू के टीटू की स्वीटी' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी नुसरत भरूचा ने फिल्म इंडस्ट्री में एक लंबा सफर तय किया है । दमदार अभिनय के बूते फिल्म इंडस्ट्री में अपने लिए एक अलग जगह बनाने वाली नुसरत भरूचा को निजी जीवन में उसकी सादगी से लेकर बेबाकी से अपनी बात रखने के लिए भी जाना जाता है ।

कई अभिनेत्रियों ने मायानगरी में सैलरी और सुविधाओं को लेकर भेदभाव पर बात की है। अब नुसरत ने भी इस पर अपनी बेबाक राय रखी है । उसने कहा है कि बॉलीवुड में महिलाओं के साथ अलग ही व्यवहार होता है । उसका कहना है कि पुरुषों के लिए सैट पर अच्छे वॉशरूम से लेकर अच्छी वैनिटी वैन होती है। हालांकि, महिलाओं के लिए सुविधाओं में कमी रहती है।

नुसरत ने कहा, " जैसे ही बंदा हिट देता, वह इनसाइडर हो या आऊटसाइडर, इससे फर्क नहीं पड़ता, उसे तुरंत 5 फिल्में मिल जाएंगी। हालांकि, महिलाओं को संघर्ष करते रहना पड़ता है। मैं 'प्यार का पंचनामा' (2011) से यह बात बोलती आ रही हूं। बस आपको मौके की जरूरत होती है। जितने ऑप्शंस हीरो को मिल जाते हैं, उतने हमें नहीं मिलते।₹

नुसरत ने आगे कहा, "एक वक्त था जब मैं पूछती थी कि क्या 5 मिनट के लिए हीरो की वैनिटी इस्तेमाल कर सकती हूं? वह यहां नहीं है क्या मैं वाशरूम इस्तेमाल कर लूं ? हालांकि, मैं उस वक्त शिकायत नहीं करती थी । खुद से कहती थी कि मैं खुद को ऐसी जगह लाऊंगी जहां चीजें अपने आप मिलें। ₹

नुसरत ने बताया कि एक बार उसे एक फिल्म में छोटा रोल मिला था । उसके साथी अभिनेता को बिजनैस क्लास की टिकट मिली लेकिन उसे इकोनॉमी क्लास की। उसके साथियों ने उसे बिजनैस क्लास में बैठने के लिए कहा लेकिन वह नहीं आई। आज वह अपने दम पर बिजनैस क्लास में ही सफर करती है । रातों-रात निकाल दिया था फिल्म से नुसरत आज भी 'ए लिस्ट' एक्ट्रैसेज के बीच अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष कर रही है । नुसरत को उसकी ही फिल्मों की फ्रैंचाइजी से रिप्लेस किया गया है और ऐसा उसके साथ एक बार नहीं बल्कि हुआ है।

नुसरत को 100 करोड़ी फिल्म 'सोनू के टीटू की स्वीटी' में देखा गया था । इस फिल्म के 100 करोड़ कमाते ही कार्तिक आर्यन के करियर ने तो रफ्तार पकड़ ली, लेकिन उसको वह पहचान नहीं मिल पाई। नुसरत कई मौ कों प र फिल्म इंडस्ट्री में आऊटसाइडर्स के साथ होने वाले भेदभाव के बारे में खुलकर बात कर चुकी है। हाल ही में उसने एक ऐसा ही वाकया सांझा किया जहां उसे 3 साल तक अटकाए रखने के बाद मेकर्स ने आखिरी वक्त पर रिप्लेस कर दिया था।

वह कहती है कि उसे किसी स्टारकिड से नहीं बल्कि एक किसी और से रिप्लेस किया गया था। उसने उस वक्त खुद को ठगा हुआ पाया क्योंकि उसने उस वक्त फिल्म साइन की थी जब न फिल्म में कोई हीरो था, न डायरैक्टर और न ही प्रोड्यूसर ।

वह बताती है, "मेरा थोड़ा अलग था । मैं लॉक थी। मैं उस फिल्म के लिए 3 साल से साइन की गई थी। फिल्म 3 साल तक शुरू नहीं हुई। फिर आखिरकार, सब कुछ ठीक हो गया। । मेरे घर में उस फिल्म का साइन किया हुआ कॉन्ट्रैक्ट आज भी पड़ा है। मैं फिल्म का नाम नहीं बताऊंगी, क्योंकि मुझे किसी को बदनाम करने या लड़ाई करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। कोई जरूरत नहीं । कोई हीरो, कोई निर्देशक और कोई निर्माता नहीं था । मैं अकेली थी जो साइन की गई थी।"

नुसरत आगे बताती है, फिर अचानक ही फिल्म फास्ट ट्रैक पर चली गई।

उन्होंने एक अच्छा हीरो, एक अच्छा निर्देशक लिया, सब कुछ सैट हो गया और उन्होंने मुझे बुलाया और कहा, हम अब इसे आपके साथ नहीं करना चाहते। मैंने कहा- आपका क्या मतलब है? मैं 3 साल से साइन की गई थी ! और मैंने इस फिल्म का सपोर्ट किया और इसके साथ खड़ी रही, जब इसमें कोई और नहीं था ।

कभी सलमान-हार्दिक पांड्या- के साथ जुड़ा था इस स्वीडिश हसीना का नाम, आज बॉलीवुड में करती हैं राज

एली अवराम उन खूबसूरत अभिनेत्रियों में शुमार हैं, जिन्होंने बाहर से आकर बॉलीवुड में काफी नाम कमाया। फिल्मों और शोज के अलावा एक्ट्रेस अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। बीते दिनों अभिनेत्री और यूट्यूबर आशीष चंचलानी के अफेयर्स की अफवाहें फैली थी। हालांकि, वो एक पब्लिक स्टंट साबित हुआ। इतना ही नहीं एली अवराम का नाम कई दिग्गज सेलेब्स के साथ भी जुड़ चुका है। आज 29 जुलाई को अभिनेत्री अपना 35वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर जानेंगे एक्ट्रेस के सिनेमाई करियर और लव लाइफ के बारे में।

आर्टिस्ट परिवार से आती हैं एली अवराम

एली अवराम का जन्म 29 जुलाई 1990 को स्टॉकहोम, स्वीडन में हुआ था। उनका असली नाम एलीजा अवरामिडौ ग्रानलुंड है। अभिनेत्री के ग्रीक पिता एक मशहूर संगीतकार हैं, जो अब स्वीडन में हैं और उनकी मां एक स्वीडिश एक्ट्रेस हैं। एली को बचपन से ही एक्टिंग, सिंगिग और डांस का शौक था। इसके अलावा उन्हें कम उम्र से ही बॉलीवुड इंडस्ट्री के प्रति एक अलग रुचि थी।

2013 में की बॉलीवुड में एंट्री

एली अवराम ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब वह 14 साल की थी, तो उन्होंने बॉलीवुड फिल्म 'देवदास' देखी थी और उन्हें ऐश्वर्या राय की एक्टिंग काफी पसंद आई थी। इसी के बाद से उन्होंने हिंदी सिनेमा में काम करने का मन बना लिया था। फिर 2013 में अभिनेत्री ने 'बिग बॉस 7' में हिस्सा लिया और इसके बाद एक्ट्रेस ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में कदम रखा। उनकी पहली फिल्म थी 'मिकी वायरस', जो एक कॉमेडी-थ्रिलर फिल्म थी। इसमें मुख्य भूमिका में एक्टर-होस्ट मनीष पॉल नजर आए थे।

फिल्मी करियर

एली अवराम के सिनेमाई करियर की बात करें, तो साल 2013 में एक्टिंग में कदम रखने के बाद एक्ट्रेस को 'उंगली' फिल्म में काम करने का मौका मिला। इसके बाद 2015 मे 'किस किसको प्यार करूं' फिल्म मिली। इसमें कॉमेडियन-एक्टर कपिल शर्मा मुख्य भूमिका में थे, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके बाद अभिनेत्री ने 'वन नाइट स्टैंड', 'नाम शबाना', 'पोस्टर बॉय', 'मलंग' जैसी फिल्मों में काम किया। हिंदी फिल्मों के अलावा एक्ट्रेस ने तमिल मूवीज में भी काम किया किया है, जिनमें 'नाने वरुवेन' और 'कंज्यूरिंग कन्नप्पन; फिल्में शामिल है।

क्रिकेटर हार्दिक पांड्या से एक्ट्रेस का था अफेयर?

भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या और एली अवराम की डेटिंग की अफवाहें खूब फैली थी, क्योंकि दोनों को कई बार साथ में स्पॉट किया गया था। इतना ही नहीं एक्ट्रेस को पांड्या के घर के कार्यक्रमों में भी शामिल होते देखा गया था और वह कुणाल पांड्या की शादी में भी पहुंची थी। इस कारण से दोनों के बीच अफेयर्स की चर्चाएं काफी तेज हो गई थीं। हालांकि, दोनों ने अपने रिश्तों को लेकर कभी कुछ नहीं कहा।

सलमान खान-मनीष पॉल के साथ भी जुड़ा नाम

साल 2013 में एली अवराम ने 'बिग बॉस 7' में भाग लिया था। इसी दौरान सलमान खान के साथ एक्ट्रेस की बढ़ती नजदीकियों ने नेटिजंस का ध्यान आकर्षित किया था, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। इसके अलावा शो होस्ट और एक्टर मनीष पॉल के साथ एक्ट्रेस की डेटिंग की खबरें वायरल हुई थीं। हालांकि, दोनों रिश्ते को लेकर किसी के तरफ से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी, अर्थात ये सब अफवाहें थीं। कुछ दिनों पहले यूट्यूबर आशीष चंचलानी ने एली अवराम को गोद में उठाए हुए रोमांटिक पोज दिया था और यूट्यूबर ने एक प्यारा सा कैप्शन लिखा था, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। लेकिन बाद पता चला कि यह उनके एक म्यूजिक वीडियो के दौरान का मूमेंट था।

इन टीवी शोज और गानों में भी नजर आ चुकी हैं एली अवराम

एली अवराम सिर्फ फिल्मों में ही नहीं बल्कि कई रियलिटी शोज में भी नजर आ चुकी हैं। अभिनेत्री 'झलक दिखला जा 7' और 'द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज' जैसे शोज का हिस्सा रह चुकी हैं। इसके अलावा वह 'टाइपराइटर' और 'इनसाइड एज 2' जैसी वेब सीरीज में भी अपने अभिनय का जलवा बिखरे चुकी हैं। इतना ही नहीं, एक्ट्रेस को 'छम्मा-छम्मा', 'जिला हिलेला' और 'हरफन मौला' गानों से भी जाना जात है।

हमने हमेशा एक-दूसरे का 'साथ' दिया : कृति खरबंदा

हमारे माता-पिता ने हमें हमेशा सिखाया है कि राखी भाई-बहनों का उत्सव है। चाहे कुछ भी हो जाए, हम एक-दूसरे के साथ खड़े रहेंगे। खरबंदा भाई-बहनों कृति, इशिता और जयवर्धन के लिए रक्षाबंधन ने हाल के वर्षों में डिजिटल रूप ले लिया है। कृति बताती है, "पिछले कुछ सालों से हमारी राखी वर्चुअल रही है। हम तीनों वीडियो कॉल पर एक साथ मिलकर राखी मनाते हैं।' उसने बताया कि उसका भाई 4 साल से लंदन में पढ़ाई और मीडिया मैनेजर के तौर पर काम कर रहा है। अपने शुरुआती रक्षाबंधन समारोहों को याद करते हुए, कृति अपने भाई जय की पहली राखी को प्यार से याद करते हुए कहती है, मुझे आज भी हमारी पहली राखी याद है; मैंने अपनी गुलाबी कमीज और सफेद स्कर्ट पहनी हुई नहीं करना पड़ा!"

खरबंदा भाई- बहन राखी बहुत प्यार से मनाते हैं, इसे लिंग - विशिष्ट परम्परा की बजाय अपने घनिष्ठ बंधन का उत्सव मानते हैं। कृति कहती है, "हमारे माता-पिता ने हमें हमेशा सिखाया है कि राखी भाई-बहनों का उत्सव है। चाहे कुछ भी हो जाए, हम एक-दूसरे के साथ खड़े रहेंगे और जरूरत पड़ने पर एक-दूसरे के चीयरलीडर और पंचिंग बैग भी बनेंगे। जय राखी के पारंपरिक अर्थ पर विचार करते हुए बताता है कि उसका अनुभव कैसे अलग है। उसने कहा, 'हालांकि राखी पारंपरिक रूप से भाइयों द्वारा अपनी बहनों की रक्षा करने के बारे में है, मेरा अनुभव बिल्कुल विपरीत थी। जय ने सफेद और सुनहरे रंग का धोती-कुर्ता पहना हुआ था ।

जय से 8 साल बड़ी कृति उसे अपना बेबी ब्रदर मानती है। वह कहती है, "मेरे लिए, वह सिर्फ मेरा भाई नहीं, मेरा लाडला है, मेरी बहन के बाद मेरा दूसरा बच्चा । जय भी इसी भावना को दोहराते हुए बताता है कि कैसे उसकी बहनों ने हमेशा उसकी देखभाल की है। उसने कहा, "हमेशा से ऐसा ही रहा है । जब से मुझे याद आता है, मेरी दोनों बहनें मेरी केयर करती थीं।

कृति ने गत वर्ष अपने ब्वॉयफ्रैंड अभिनेता पुलकित सम्राट के साथ शादी की थी। एक यादगार पल को याद करते हुए, कृति बताती है, पहली रात एक निजी समारोह में बहुत कम लोग इकट्ठा हुए थे। मेरे भाई ने मंच संभाला और कहा कि मैं कुछ कहना चाहता हूं। उसने उस दौरान एक मजेदार घटना याद की और वह आज भी मेरी यादों में ताजा है । मैं उसे पूरी तरह भूल ही गई थी। बचपन में हमारे स्कूलों के बीच बस एक दीवार की दूरी थी । मैं उसे रोजाना लेने जाती थी। एक दिन अचानक, जय को 2 घंटे इंतजार करना पड़ा क्योंकि मैं उसे लेना भूल गई थी। स्कूल के बाद मैं अपने कमरे में आराम कर रही थी कि मेरी मां आईं और पूछा, 'जय कहां है ?' मैं घबरा गई कि अपने भाई को लाना भूल गई ! मेरी मां तुरंत पिकअप पॉइंट पर पहुंचीं। खुशकिस्मती से, जय अभी भी वहीं बैठा था और एक दुकानदार के साथ टी.वी. पर डब्ल्यू.डब्ल्यू. ई. (रैस्लिंग) दे ख रहा था, वह सिर्फ 11 साल का था ।

क्या शादी के बाद विदाई पर दोनों रोए थे, पूछने पर जय ने बताया कि कृति असल में सालों पहले घर छोड़कर चली गई थी। उसने कहा, "वैसे तो को ई वि दा ई नहीं हुई, ले कि न यह पूरी तरह से पं जा बी शादी जरूर थी। मुझे लगता है कि यह अब तक की सबसे अच्छी शादी थी। अब बात यह है कि मैं पिछले कुछ सालों से लंदन में रह रहा हूं और दीदी बॉम्बे में रहती हैं, वह कई साल पहले चली गई थीं इसलिए, मुझे लगता है कि उनकी विदाई कई साल पहले हो गई थी, इसलिए हमें इसे दो बा रा समझ भी नहीं थी।

जिले में धूमधाम से मना रक्षाबंधन, बारिश के बावजूद बहनों में उत्साह बरकरार

सेक्टर-47 में भाई रुद्राक्ष की कलाई पर राखी बांधती बहन नित्या, प्रेम और स्नेह का अनमोल बंधन

ग्रेटर नोएडा स्थित ऑक्सफोर्ड ग्रीन पब्लिक स्कूल में छोटी-छोटी छात्राओं ने छात्रों को राखी बांधी। वहीं, स्कूल की एक टीचर ने भी छोटे बच्चों को राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया और इसके महत्व के बारे में जानकारी दी।

नोएडा में एक ऐसा परिवार, जहां सभी बहनों ने एक-दूसरे की कलाई में राखी बांधी। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर वाजपेई परिवार की सभी बहनों ने परस्पर राखियां बांधकर एक-दूसरे के साथ हर सुख-दुख में खड़ा होने का संकल्प लिया।

नोएडा/ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिले में रक्षाबंधन का पर्व पूरे हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। शनिवार को सुबह से रुक-रुककर हुई बारिश ने थोड़ी बाधा डाली, लेकिन बहनों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। सेक्टरों, सोसाइटियों, मंदिरों और स्कूलों में भाई-बहन के इस पावन बंधन को उल्लासपूर्वक मनाया गया।

बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और आजीवन रक्षा का वचन लिया। इसके बदले में भाइयों ने बहनों को उपहार और मिठाइयां दीं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी त्योहार की रंगत में सराबोर नजर आए। सेक्टर-19, सेक्टर-100 की सेंचुरी अपार्टमेंट, सेक्टर-110 लोटस पनाश, सेक्टर-120 आम्रपाली जोडिएक, सेक्टर-137 एक्जोटिका फ्रेस्को समेत 100 से अधिक सोसाइटियों में रक्षाबंधन के आयोजन हुए।

कई स्थानों पर रक्षाबंधन को विशेष रूप से मनाया गया। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन (सीटू) के जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने सेक्टर-49 स्थित आवास पर बहनों से राखी बंधवाई। सेंचुरी अपार्टमेंट की आराध्या ने सुरक्षा कर्मियों और सुपरवाइजर को राखी बांधी। सेक्टर-119 निवासी सोनी सिंह की बेटियों अक्षिता और ऐशनी ने एक-दूसरे को राखी बांधकर अनोखी मिसाल पेश की।

चाइल्ड पीजीआई के पीएचओ विभाग में नन्हे कैंसर वॉरियर्स की कलाई पर स्टाफ और स्वयंसेवकों ने राखी बांधकर खुशियां बांटी। वार्ड में गीत-संगीत और मिठाइयों के साथ माहौल उत्सव में बदल गया।

ग्रेनो वेस्ट के जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल की कक्षा आठ की छात्राएं आयार्ही राय और आलिया सिंघल ने देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को राखी बांधने का सौभाग्य पाया और इसे जीवन का यादगार पल बताया।

लुक्सर स्थित जिला कारागार में भी रक्षाबंधन का माहौल देखने को मिला। यहां 2,137 बहनें अपने बंदी भाइयों को राखी बांधने पहुंचीं। जेल अधीक्षक बृजेश सिंह के अनुसार सुबह से ही जेल परिसर में त्योहारी रौनक रही। बहनें राखी, मिठाई और आशीर्वाद लेकर भाइयों से मिलने पहुंचीं।

'मजहब नहीं सिखाता आपस में वैर करना'

नोएडा (चेतना मंच)। देश के शायर तथा राष्ट्र भक्त इकबाल की यह नज़्म 'मजहब नहीं सिखाता आपस में वैर करना'। रक्षा बंधन के पावन पर्व पर हिंदू मुस्लिम एकता तथा भाईचारा को फिर साबित कर दिखाया अन्तर्राष्ट्रीय शूटर, संयुक्त किसान मजदूर संगठन राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा अखिल भारतीय महिला कांग्रेस पर्यवेक्षक हिमाचल प्रदेश प्रभारी पूनम पंडित ने।

उन्होंने महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा पूर्व अध्यक्ष/प्रदेश महासचिव उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस पश्चिम प्रदेश महासचिव शाहबुद्दीन को राखी बांधकर यह साबित कर दिया कि इसी गंगा जमुनी तहजीब के कारण आज हिंदुस्तान की पूरे विश्व में अलग पहचान है। कांग्रेस ने हमेशा मजहबों को जोड़ने की सियासत की है। जबकि कुछ दल दोनों मजहबों के बीच दीवार खड़ी करके अपनी सियासी रोटियां सेंकने में यकीन रखते हैं। लेकिन आज भी हमारा देश 'हिंदू मुस्लिम सिख इसाई, आपस में है सब भाई भाई' पर कायम है और रहेगा।

युवती पर चाकू से हमला करने वाला आरोपी मुठभेड़ में घायल

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-16 स्थित मेट्रो स्टेशन के पास नौकरी कर ब्यूटी पार्लर से घर लौट रही एक युवती पर चाकू से हमला करने वाले सरफिरे आशिक को थाना फेस वन पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि जब पुलिस हत्या में प्रयुक्त अवैध चाकू, तमंचा आदि बरामद करने के लिए आरोपी को सेक्टर-14 के गंदे नाले पर लेकर गई, पुलिस पर आरोपी ने झाड़ियों में छुपा कर रखे तमंचे से फायर कर भागने का प्रयास किया। पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया।

डीसीपी नोएडा यमुना प्रसाद ने बताया कि 4 अगस्त की शाम को ब्यूटी पार्लर से काम करके लौट रही दिल्ली के शाहदरा निवासी एक युवती को पहले से घात लगाए तुषार उर्फ चिराग ने मेट्रो स्टेशन सेक्टर-16 के पास चाकू से हमला किया था। तुषार उर्फ चिराग युवती पर शादी करने के लिए दबाव बन रहा था। युवती के पिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की पुलिस का तलाश कर रही थी। उन्होंने बताया कि लोकल और इंटेलिजेंस से मिली सूचनाओं के आधार पर तुषार उर्फ चिराग को राजौरी गार्डन दिल्ली से गिरफ्तार किया गया था।

डीसीपी ने बताया कि गिरफ्तार तुषार को जब हमले में प्रयुक्त हथियार बरामद करने के लिए थाना फेज वन की पुलिस सेक्टर-14 के एक गंदे नाले के पीछे झाड़ियों में ले गई, इस दौरान झाड़ियों में छुपा कर रखे गए तमंचे से तुषार ने पुलिस पर हमला बोल दिया।

सेक्टर-12 के एच ब्लॉक स्थित मंदिर में बरगद के पौधे का रोपण करते हुए समाजसेवी तथा भाजपा नेता सुनील कुमार।

राहुल गांधी द्वारा उत्तर प्रदेश से सम्बंधित प्रस्तुत तथ्य सही नहीं पाये गये : मुख्य निर्वाचन अधिकारी

नोएडा (चेतना मंच)। नेता प्रतिपक्ष लोक सभा राहुल गांधी ने 7 अगस्त, 2025 को The foundation of the constitution is the vote, Vote has been destroyed विषय पर एक प्रेस कांफ्रेंस की थी। जिसमें अन्य विषयों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश राज्य का भी जिक्र किया गया, जिसमें उनके द्वारा तथ्य रखा गया कि दो मतदाता जिनका नाम आदित्य श्रीवास्तव पुत्र एस0पी0 श्रीवास्तव (इपिक नं0 FPP 6437040) एवं विशाल सिंह पुत्र महीपाल सिंह (इपिक नं0 INB 2722288) हैं। इनका नाम उ0प्र0 के साथ-साथ अन्य प्रदेश की विधान सभाओं की मतदाता सूची में भी अंकित है। नेता प्रतिपक्ष लोकसभा राहुल गांधी द्वारा यह आकड़े 16 मार्च 2025 को भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट से निकाले हुए दिखाए गये हैं।

आदित्य श्रीवास्तव का नाम चार जगह अंकित दिखाया गया है। इनका नाम मुंबई सब अर्बन की विधान सभा 158 जोगेश्वरीपूर्व की बूथ संख्या 197 के क्र0सं0 877, बैंगलोर अर्बन की विधान सभा 174 महादेवपुरा के बूथ संख्या 458 के क्र0सं0 1265, बूथ सं0 459 के क्र0सं0 678 पर एवं लखनऊ की विधान सभा 173 लखनऊ पूर्व के बूथ संख्या 84 के क्र0सं0 630 पर अंकित दिखाया गया है। विशाल सिंह पुत्र महीपाल सिंह का नाम तीन जगह अंकित दिखाया गया है। इनका नाम बैंगलोर की विधान सभा 174 महादेवपुरा में बूथ सं0 513 के क्र0सं0 926 एवं बूथ सं0 321 के क्र0सं0 894 तथा वाराणसी की विधानसभा 390 वाराणसी कैंट में बूथ सं0 82 के क्र0सं0 516 पर अंकित दिखाया गया है।

7 अगस्त, 2025 को आदित्य श्रीवास्तव पुत्र एस0पी0श्रीवास्तव (इपिक नं0 FPP 6437040) एवं विशाल सिंह पुत्र महीपाल सिंह (इपिक नं0 INB 2722288) के नाम को voters.eci.gov.in पर सर्च किया गया तो पाया गया कि आदित्य श्रीवास्तव पुत्र एस0पी0 श्रीवास्तव (इपिक नं0 FPP 6437040) का नाम बैंगलोर अर्बन की विधान सभा 174 महादेवपुरा के बूथ संख्या 458 क्र0सं0 1265 में एवं विशाल सिंह पुत्र महीपाल सिंह (इपिक नं0 INB 2722288) का बैंगलोर की विधान सभा 174 महादेवपुरा में बूथ सं0 513 क्र0सं0 926 पर ही अंकित है एवं उपरोक्त मतदाताओं का नाम उत्तर प्रदेश की विधान सभा 173 लखनऊ पूर्व एवं विधान सभा 390 वाराणसी कैंट में इनका नाम अकित नहीं है। इस प्रकार उत्तर प्रदेश के बारे में जो तथ्य प्रस्तुत किए गये वे सही नहीं पाये गये।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने सभी विभागों की ली समीक्षा बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सीईओ डॉ लोकेश एम ने सभी विभागों की समीक्षा बैठक ली। समीक्षा बैठक में अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में नोएडा प्राधिकरण के समस्त एसीईओ उपस्थित रहे। साथ ही समस्त सम्बन्धित विभागों तथा भूलेख, सिविल, विद्युत, जनस्वास्थ्य, उद्यान आदि के विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

बैठक में यूनीफाइड पॉलिसी के अन्तर्गत भूखण्ड आवंटन के लिए योजना, नोएडा क्षेत्र में विद्यमान अतिक्रमण, भूखण्डों के सापेक्ष निष्पादित सीआईसी तथा टीएम एवं उनसे प्राप्त धनराशि, विभिन्न परिसम्पत्तियों के आवंटियों को जारी किये गये धारा-10 के नोटिस, भंगेल एलिवेटेड रोड परियोजना एवं उसके नीचे के रोड के निर्माण की स्थिति, आईजीआरएस प्रणाली के अन्तर्गत प्राप्त शिकायत-निस्तारण की स्थिति, नोएडा में होने वाले जलभराव की समस्या के निराकरण, नोएडा में विभिन्न स्थानों पर विकसित सौन्दर्गीकृत किये जा रहे तालाबों की स्थिति, मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा विगत दिनों में किये गये निरीक्षण की अनुपालन आख्या आदि विषयों पर विस्तृत विचार विमर्श किया गया एवं सम्बन्धित विभागों को आवश्यक निर्देश दिये गये।

सीईओ ने गौतमबुद्धनगर के अन्य दोनों प्राधिकरणों के साथ समन्वय करते हुए भूखण्ड आवंटन के लिए यूनिफाइड पॉलिसी के अन्तर्गत योजना लॉन्च किये जाने की कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। इस संबंध वाणिज्यिक एवं

सड़क बनाने में आ रही अड़चने दूर करने के निर्देश

बैठक में विभिन्न सैक्टरों में भूमि अनाधिग्रहित होने के कारण सड़क के निर्माण बाधित हैं, जिनको भूलेख एवं सिविल भाग द्वारा परस्पर समन्वय स्थापित करते हुए निर्माण कराये जाने के निर्देश दिये गये। इतना ही बैठक में निर्माणाधीन भंगेल एलिवेटेड रोड परियोजना के सम्बन्ध में भी विचार-विमर्श किया गया, जिसमें एलिवेटेड रोड का कार्य शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण कराने के साथ-साथ एलिवेटेड रोड के नीचे सड़क एवं नाली का निर्माण भी पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये। उक्त मार्ग पर किये जाने वाले सड़क, नाली, बॉक्स कल्वर्ट के निर्माण के सम्बन्ध में विस्तृत विवरण तैयार कर पृथक से प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त अगले सप्ताह तक ड्रेनेज वाटर हार्वेस्टिंग, आदि पर भी ध्यान दें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये कि एलिवेटेड रोड के साथ एप्रोच रोड सुगम, समुचित लाईटिंग एवं फुटपाथ की ऊँचाई समुचित रखी जाये।

औद्योगिक विभाग द्वारा भूखण्ड योजना लॉन्च की जा चुकी है तथा अन्य परिसम्पत्ति विभागों को भी तद्नुसार योजना लॉन्च किये जाने की कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया।

बैठक के दौरान विभिन्न प्रकार के भूखण्डों/परिसम्पत्तियों के सापेक्ष निष्पादित किये जाने वाले सीआईसी एवं टीएम के सम्बन्ध में सम्बन्धित परिसम्पत्ति विभागों से विचार-विमर्श किया गया। इस सम्बन्ध में विगत दो वर्षों में निष्पादित किये गय सीआईसी एवं टीएम के सापेक्ष प्राप्त की गई धनराशि का विवरण उपलब्ध कराने हेतु वित्त विभाग को निर्देश दिये गये।

नोएडा में बने भवनों में अतिक्रमण को रोकने के लिए धारा 10 के नोटिस जारी किये गए। इन नोटिसों के सम्बन्ध में सभी परिसम्पत्ति विभागों को इस प्रकार निर्गत नोटिसों का विवरण संकलित एवं नियमित अनुरक्षित रखे जाने एवं नियमित रूप से मॉनिटर करने के निर्देश दिये गये। साथ ही विगत 2 वर्षों में निर्गत किये गये नोटिसों का परीक्षण करते हुए यदि आवंटी द्वारा उक्त नोटिस का अनुपालन नहीं किया गया है, तो धारा-10 का नोटिस पुन: निर्गत करने के निर्देश दिये गये तथा तत्पश्चात भी आवंटियों द्वारा अनुपालन नहीं किया जाता, तो उक्त भूखण्डों का आवंटन निरस्त करने की कार्यवाही सम्पादित की जाये। इसके अतिरिक्त इस प्रकार के नोटिस, जोकि आवंटियों द्वारा प्राप्त नहीं किये जाते हैं, को परिसम्पत्ति पर चस्पा कराये जाने के निर्देश दिये गये।

15 अगस्त से पूर्व ई-ऑफिस पर करें काम

बैठक में प्राधिकरण की विभिन्न कार्यवाहियों को डिजिटलध्ऑनलाईन करने के सम्बन्ध में ष्प्रहरी एप्पश् एवं श्ई-ऑफिस की समीक्षा की गई। मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदय द्वारा सभी विभागों द्वारा 15 अगस्त से पूर्व ई-ऑफिस पर कार्यवाही प्रारम्भ करने के निर्देश दिये गये। साथ ही प्रहरी एप्प के लिए भी विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिये जाने के निर्देश दिये गये।

सफाई व्यवस्था की समीक्षा

नोएडा की सफाई व्यवस्था, जलभराव एवं अन्य अनुरक्षण सम्बन्धी कार्यों की समीक्षा की गई। गत दिनों से शहर के मार्गों पर गाय-बैल इत्यादि अपेक्षाकृत अधिक मात्रा में दिखाई दे रहे हैं, जिनको गौशाला इत्यादि में शिफ्ट करने हेतु त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। विभिन्न स्थानों पर प्राय: सेन्ट्रल वर्ज पर उद्यान विभाग द्वारा डाली जाने वाली मिट्टी सेन्ट्रल वर्ज से बाहर आकर सड़कों पर पड़ी हुई पायी जाती है, जिसको नियंत्रित करने एवं नियमित रूप से सफाई कराने के निर्देश दिये गये।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

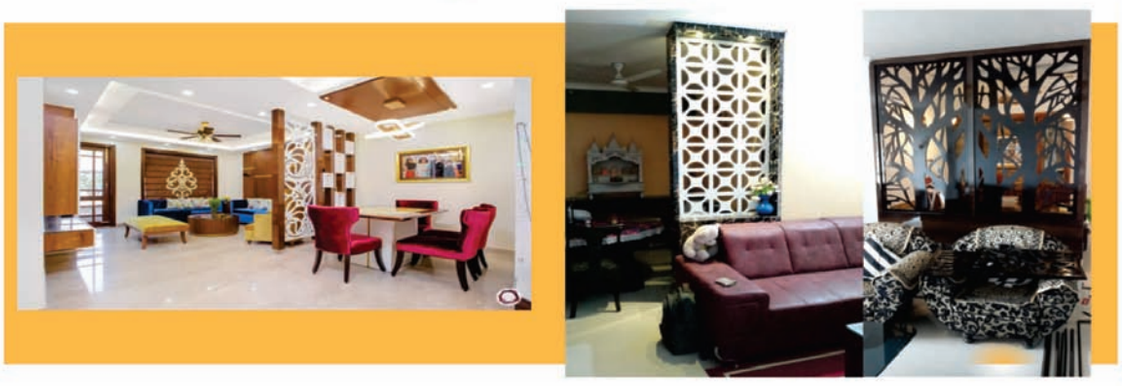

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com